ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 327 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

02 जून 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

37.6 अधिकतम

22.0 न्यूनतम

Page-7

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के साथ शिक्षा मंत्रालय भी सवालों के घेरे में

सीबीएसई छात्रों की परेशानी पर खामोश रही सरकार, फजीहत के बाद मांगी रिपोर्ट

पोर्टल खुलने के इंतजार में कट रहे हैं लाखों छात्रों के दिन और रात

नईदिल्ली, एजेंसी

सीबीएसई की बारहवीं की परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जैसा इस बार हो रहा है। ओएसएम तकनीक से पेपर जांचने में गड़बड़ी से उन्हें नंबर कम मिले, आंसरशीट बदल दी गईं और रीवैल्युएशन के लिए बोर्ड की साइट नहीं खुलने से परेशान होना पड़ा। लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ पर सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया। देश भर में मचे बवाल के बाद अब सरकार ने सीबीएसई से ओएसएम टेंडर पर रिपोर्ट मांगी है। जिस कंपनी को कॉपियां जांचने का टेंडर दिया गया है वह आरोपों से घिरी है जबकि बोर्ड उसे बचाने में लगा है।

सीबीएसई ने यह ठेका 5 दिसंबर को कोएम्प्ट एडुटेक को दिया गया था। ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली के इस ठेके को लेकर 17 साल के छात्र सार्थक सिद्धांत ने गंभीर सवाल खड़े किये है । उन्होंने अपनी रिसर्च से बताया कि नियम बदलकर एक विवादित कंपनी को 17 लाख छात्रों की आंसरशीट मूल्यांकन का ठेका मिला। सार्थक 2025-26 बैच के उन्हीं 17 लाख छात्रों में शामिल हैं, जिनकी आंसरशीट का मूल्यांकन नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली के तहत किया गया। सार्थक ने कई दिनों तक बोर्ड के टेंडर्स का अध्ययन किया। उन्होंने कुल 576

निविदाओं का डेटा एकत्र किया और यह पता लगाने की कोशिश की कि एक ही परियोजना के लिए जारी किए गए तीन अलग-अलग टेंडरों में नियमों को किस तरह बदला गया। इसमें सामने आया कि ठेका जिस कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक को मिला उसका पुराना नाम ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज था। ग्लोबरेना वही कंपनी थी जो 2019 के तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा घोटाले के केंद्र में थी। उस समय सॉफ्टवेयर संबंधी गंभीर गड़बड़ियों के कारण लगभग 3.8 लाख छात्रों को गलत अंक मिले थे या उनके अंक दर्ज ही नहीं हुए थे। इस घटना के बाद 23 छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबरें सामने आई थीं।

पोर्टल खुलने का दावा, कम नहीं हो रही परेशानी

बोर्ड की रीवैल्युएशन साइट सोमवार देर शाम तक नहीं खुल सकी थी। इससे लाखों छात्र परेशान हुए। बोर्ड की तरफ से दिनभर यही कहा गया कि 'पोर्टल विल गो लाइव सून'। बोर्ड से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पोर्टल पर लगातार 'अनॉथराइज इंटरफियरेंस' जारी है, यानी हैकिंग की कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि आज सुबह को बोर्ड ने घोषणा की कि 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए उसका बहुप्रतीक्षित वेरिफिकेशन और रीवैल्युएशन पोर्टल अब लाइव हो गया है। हालांकि इसके बाद भी बड़ी संख्या माँ छात्रों ने एक्सेस नहीं मिलने की शिकायत की। गौरतलब है कि जांचने के लिए इस बार आंसरशीट्स स्कैन करके उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया गया था जहां एग्जामिनर या टीचर्स अपने यूजर आईडी, स्कूल कोड और पासवर्ड के जरिए आंसरशीट्स एक्सेस कर सकते हैं। साथ ही कॉपी चेक करके मार्क्स दे सकते हैं। बोर्ड ने इस प्रणाली को पारदर्शी और सटीक बताया था लेकिन रिजल्ट जारी होने के बाद से ही छात्र इसे उनके भविष्य से खिलवाड़ बता रहे है।

यह लापरवाही नहीं, लाखों युवाओं के सपनों के साथ संस्थागत अपराध है...

देश में शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया जाता है। युवाओं को देश का भविष्य कहा जाता है। लेकिन जब इसी भविष्य के साथ खिलवाड़ होता है तो सरकार और उसकी संस्थाओं की प्राथमिकताएं सवालों के घेरे में आ जाती हैं। पिछले एक वर्ष में जो कुछ हुआ है, उसने यह साबित कर दिया है कि करोड़ों युवाओं की मेहनत और सपनों से जुड़ी परीक्षाओं के प्रति व्यवस्था कितनी असंवेदनशील हो चुकी है।

पहले नीट परीक्षा पेपर लीक के कारण देशभर में विवादों में घिरी। लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को

कहना जरूरी है

अनिल शर्मा

मानसिक यातना झेलनी पड़ी। अभी उस मामले की गूंज थमी भी नहीं थी कि अब सीबीएसई की बारहवीं बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन में ओएसएम प्रणाली की गड़बड़ियों ने नया संकट खड़ा कर दिया है। जिन परीक्षाओं का परिणाम छात्रों के उच्च शिक्षा और करियर की दिशा तय करता है, उनमें इस प्रकार की अव्यवस्था किसी भी सभ्य और जिम्मेदार व्यवस्था के लिए शर्मनाक है।

इस वर्ष सीबीएसई की कक्षा 12वीं की परीक्षा में लगभग 17 लाख विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे छात्रों की है जिनके लिए एक-एक अंक महत्वपूर्ण है। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश अक्सर एक-दो अंकों के अंतर से तय होता है। ऐसे में यदि मूल्यांकन प्रणाली में तकनीकी खामियां हों, परिणामों में विसंगतियां दिखाई दें और छात्र अपने अंकों के पुनर्मूल्यांकन के लिए दिन-रात पोर्टल खुलने का इंतजार करते रहें, तो यह केवल तकनीकी समस्या नहीं बल्कि उनके भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सीबीएसई और शिक्षा मंत्रालय ने इतनी महत्वपूर्ण परीक्षा में बिना पर्याप्त परीक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित किए नई मूल्यांकन प्रणाली लागू कर दी। जिस कंपनी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई, उसकी कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप यह भी लग रहे हैं कि किसी विशेष कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए जल्दबाजी में निर्णय लिए गए। यदि इन आरोपों में जरा भी सच्चाई है तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ किया गया अपराध है।

दुखद यह है कि जब लाखों छात्र और उनके परिवार परेशान हैं, तब जवाबदेही तय होती दिखाई नहीं देती। देश में कोई भी बड़ा प्रशासनिक संकट आए, जांच और रिपोर्ट मांगने की औपचारिकता शुरू हो जाती है, लेकिन जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई शायद ही कभी होती है। आखिर क्यों? क्या देश के युवाओं का भविष्य इतना सस्ता है कि उसकी कीमत पर प्रयोग किए जाएं और फिर सब कुछ सामान्य मान लिया जाए? लोकतंत्र में पद केवल सम्मान नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी होता है। यदि शिक्षा व्यवस्था बार-बार विवादों और विफलताओं का शिकार हो रही है तो उसकी नैतिक जिम्मेदारी शीर्ष स्तर पर तय होनी चाहिए। केवल बयान, जांच और आश्वासन अब पर्याप्त नहीं हैं। जरूरत पूरे परीक्षा और मूल्यांकन तंत्र की स्वतंत्र समीक्षा, तकनीकी जवाबदेही और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की है। आज तक शिक्षा बोर्ड के कर्ताधर्ताओं पर कोई एक्शन नहीं हुआ। और फिर शिक्षा मंत्री का तो धर्मेंद्र प्रधान का तो कहना ही क्या उनके कार्यकाल में बहाल छात्रों की आवाज शायद उन तक नहीं पहुंच रही होगी। वरना वे इस तरह चुप्पी साधकर न बैठते। नाकामी पर शायद इस्तीफ़ा दे देते। यदि सरकार सचमुच विकसित भारत का सपना देखती है तो उसे सबसे पहले छात्रों के विश्वास को बचाना होगा। क्योंकि जिस देश की शिक्षा व्यवस्था अविश्वसनीय हो जाए, वहां भविष्य निर्माण के सारे दावे खोखले साबित होते हैं। देश का भविष्य भाषणों से नहीं, छात्रों के साथ न्याय करने से सुरक्षित होगा।

न्यूज विंडो

सिवनी में कुआं धंसने से मां और बेटी मलबे में दबीं, मौत

सिवनी। तराई के दौरान नए बने कुएं की रिंग और दीवार धंस गई। मलबे में नानी, मां और बेटी दब गईं। ग्रामीणों ने 75 वर्षीय समानिया बाई जंघेला को निकाल लिया। अनुसुइया जंघेला (41) और बेटी स्वाति जंघेला (17) मलबे में दबे रहे। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में टीम ने कुएं से दोनों शव निकाले।

सुप्रीम कोर्ट में पांच नए जज सीजेआई ने दिलाई शपथ

नईदिल्ली। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने आज पांच नए जजों को शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 37 हो गई। नए जजों में वरिष्ठ वकील वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव सचदेवा और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरुण पल्ली शामिल हैं।

बच्चे ने लिंक पर क्लिक किया और कट गए चार लाख रुपए

जबलपुर। एक व्यापारी के मोबाइल पर बच्चे गेम खेल रहे थे। इसी दौरान संदिग्ध लिंक आई। बच्चों ने उस पर क्लिक कर दिया और फोन से लिंक 3 बैंक खातों से साइबर ठगों ने चार लाख 31 हजार 288 रुपए पार कर लिए। सौरभ शर्मा की लोहे की दुकान है। उनके बड़े भाई शिरीष का मोबाइल 24 मई को घर पर रखा था। उस दौरान बच्चे मोबाइल पर गेम खेल रहे थे। इसके बाद तीन दिन तक उनके अलग-अलग बैंक खातों से रुपये अनजान खातों में ट्रांसफर हो गए।

आज का कार्टून

यूपी-एमपी सहित 23 राज्यों में आंधी-बारिश

केरल में मानसून लेट, तीन दिन और इंतजार

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, एजेंसी

दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। पहले 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया गया था। मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है और अगले डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है।

इधर, देश के 23 राज्यों में जून की शुरुआत गर्मी से राहत लेकर आई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, मप्र, हरियाणा और बिहार के कई इलाकों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। इससे तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के आगरा में आज सुबह एक घंटा तेज हवा चली और बारिश हुई। इससे कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। कई जगह सड़कें धंस गई। फुटपाथ धंसने से 25 फीट का गड्ढा बन गया। एक मकान का अगला हिस्सा गिर गया। दिल्ली में पिछले तीन सालों की तुलना में सबसे ठंडा रहा। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश और बादल छाने से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

आगरा में बारिश से कई जगह सड़कें धंस गई।

लापरवाही पर दरोगा से होगा जवाब - तलब

सीबीआई ने आज नहीं मांगी रिमांड जेल जाएंगे समर्थ और गिरिबाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ट्विशा शर्मा केस में रिमांड खत्म होने के बाद आज उसकी सास पूर्व जजगिरिबाला सिंह और पति समर्थ को सीबीआई ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया। इस दौरान सीबीआई ने आरोपी मां-बेटे की रिमांड बढ़ाने की मांग नहीं की। इसका मतलब है कि दोनों न्यायिक हिरासत में जेल जाएंगे। पूछताछ में आरोपी समर्थ गिरिबाला ने अपने ऊपर लगे मारपीट और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोपों को खारिज किया है। दोनों का कहना है कि ट्विशा के साथ उनके संबंध सामान्य थे। सीबीआई दोनों के बयानों का उपलब्ध सबूतों से मिलान कर रही है। सोमवार को पूरे घटनाक्रम का रीक्रिएशन भी कराया गया। जब्त सबूतों की जांच जारी है। जांच के दौरान एक गंभीर लापरवाही सामने आई है। जिस लिगेचर बेल्ट के सहारे ट्विशा फंदे पर लटकी मिली थीं, उसे घटना के बाद नियमानुसार सुरक्षित नहीं किया गया। जांच में पता चला है कि घटनास्थल से बरामद लिगेचर बेल्ट को फोरेंसिक प्रक्रिया के तहत तुरंत जमा कराने के बजाय जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा करीब दो दिन तक अपनी कार में रखे रहे। बाद में सवाल उठने पर इसे एफएसएल भेजा गया।

पोस्टमार्टम के दौरान भी यह बेल्ट एम्स अस्पताल में जमा नहीं कराई गई थी। अधिकारियों ने अब तक दिनेश शर्मा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, लेकिन सीबीआई उन्हें पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने की तैयारी में है। इसके अलावा मामले से जुड़े अन्य लोगों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जा सकता है।

विदेशी करेंसी का मामला : अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप पर ईडी ने की छापेमारी

नईदिल्ली, एजेंसी

वेदांता के फाउंडर और चेयरमैन अनिल अग्रवाल पर नई मुसीबत आ गयी है। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम' से जुड़े एक मामले में की गयी है, जिसके तहत ईडी ने तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी सोमवार से जारी है और इस छापेमारी के मामले में अभी और डिटेल्स का इंतजार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अधिकारियों के मुताबिक, ये तलाशी अभियान तब शुरू हुए जब केंद्रीय एजेंसी ने FEMA एक्ट के तहत इस मल्टीनेशनल माइनिंग कंपनी के खिलाफ जांच शुरू की। वेदांता के खिलाफ यह जांच कंपनी द्वारा अपने सिक्योर्ड लेनदारों से एक बड़े डीमर्जर प्लान के लिए मंजूरी मिलने के लगभग एक महीने बाद शुरू हुई है, जिसके तहत कंपनी को 5 स्वतंत्र कंपनियों में बांटा जाना है।

लेबनान पर इजराइली हमले से ट्रम्प नाराज

नेतन्याहू को फोन कर फटकार लगाई कहा- पागल हो गए हो क्या, तुरंत यह सब रोको

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ट्रम्प ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात करते हुए लेबनान में इजराइली सैन्य कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में नेतन्याहू को 'पागल' कह दिया और उन पर एहसान न मानने का आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान पर हमले के बाद ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि अगर इजराइली कार्रवाई जारी रही तो वह अमेरिका के साथ चल रही बातचीत छोड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में कहा-तुम पागल हो गए हो क्या? आखिर तुम कर क्या रहे हो। मेरा एहसान मानो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। मैं तुम्हें बचा रहा हूं। लेकिन अब हर कोई तुमसे नाराज है। हर कोई इजराइल से भी नाराज है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रम्प खास तौर पर इस बात से परेशान थे कि लेबनान में बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे जा रहे हैं।

डीके शिवकुमार की छाती पर मूंग दलते रहेंगे सिद्धारमैया...

कर्नाटक में दिग्गज कांग्रेसी डीके शिवकुमार की मुख्यमंत्री बनने की हसरत छह महीने बाद ही सही, पूरी हो ही गई। 2023 में कांग्रेस को मिले बंपर बहुमत के बाद पार्टी ने तय किया था कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री का पदभार संभालेंगे। लेकिन कांग्रेस आलकमान के ढुलमुल रवैये के चलते मामला टलता गया। सवाल यह है कि क्या वह बचे हुए दो साल के कम के कार्यकाल के दौरान शिवकुमार मुख्यमंत्री बनें रहेंगे? यह प्रश्न इसलिए मौजूं है क्योंकि राज्यसभा में जाने और राष्ट्रीय राजनीति के पार्टी के प्रस्ताव को सिरे से खारिज करके सिद्धारमैया कर्नाटक में ही अपने सियासी सफर को जारी रखने का ऐलान कर चुके हैं। तो क्या सिद्धरमैया मुख्यमंत्री के रूप में डीके की पारी को निष्कंटक तरीके से चलने देंगे? क्या वह डीके की छाती पर मूंग नहीं दलेंगे?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

सिद्धारमैया के सूबे की राजनीति पर ही फोकस रहने के ऐलान के बाद तो कर्नाटक कांग्रेस के यही हालात हैं। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस के 135 विधायक हैं। दो निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी उसे प्राप्त है। उनके विरोध में मौजूद भाजपा 66 सीटों के साथ दूसरे और 18 सीटों के साथ देवगौड़ा की जनता दल एस तीसरी पायदान पर है। यानि इन दोनों विरोधी दलों के लिए बंगलुरू की सत्ता पर काबिज होने की संभावनाएं दूर-दूर तक नजर नही आतीं। कर्नाटक के नए सीएम वोक्कालिंगा समुदाय के डीके शिवकुमार का जनाधार राजधानी के शहरी और ग्रामीण इलाकों तक ही सीमित हैं। सूबे के बाकी इलाकों में तो बीते ढाई दशकों से कांग्रेस का जनाधार पिछड़े समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कुरूबा गौड़ा समुदाय के इर्दगिर्द ही घूमता आया है। सिद्धारमैया की दूसरे पिछड़े समुदायों में भी पकड़ मजबूत मानी जाती है।

डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने से राहुल गांधी की पिछड़े वर्गों के लिए उठने वाली आवाज कमजोर पड़ सकती है। लेकिन राहुल की भी मजबूरी है। संसाधनों के बूते पर डीके ने कर्नाटक ही नहीं दूसरे कई राज्यों में कांग्रेस को पोषित किया है। बहरहाल, सिद्धारमैया को मनाए रखने और पिछड़े वर्ग को साधने के लिए उनके बेटे डॉ यतीनंद्र सिद्धारमैया को को डीके की काबीना में कैबिनेट मंत्री के ओहदे के साथ महत्वपूर्ण महकमे से नवाजा जा रहा है।

संकट की आहट और भाजपा का धर्मसंकट

संकट प्रबंधन के इन तमाम उपायों के बावजूद यदि कांग्रेस को इतिहास के सबसे बड़े बहुमत वाली सरकार में यदि चार डिप्टी सीएम बनाने पड़ रहे हैं, तो यह सामान्य घटनाक्रम नहीं लगता। अभी तक तो सिर्फ डीके ही उपमुख्यमंत्री थे। भाजपा भी एनडीए के घटक दलों और अपनी पार्टी के भीतर के समीकरणों को साधने के लिए दो डिप्टी सीएम की राह पर चल रही है। कांग्रेस ने भी किसी जमाने में कई राज्यों में ऐसा किया है। लेकिन कर्नाटक में डीके की टीम में चार-चार डिप्टी बनानाभावी खतरे की आशंका का संकेत दे रहा है। याद कीजिए मई 2018 के चुनावी नतीजों को। तब भाजपा चुनावों में 106 सीटों से जीती और बहुमत से थोड़ा सा पीछे रह गई। कायदे से मौका भाजपा को ही मिलना था। लेकिन पूरे चुनाव के दौरान देवगौड़ा की जेडीएस को भाजपा की बी टीम बताने वाले राहुल गांधी ने नतीजों के तुरंत बाद कांग्रेस का समर्थन देकर कुमार स्वामी की अगुआई में जेडीएस की सरकार बनवा दी। इस पूरे एपीसोड से सिद्धरमैया को बाहर रखा गया। कांग्रेस ने कुमार स्वामी के शपथ समारोह में देश भर से भाजपा विरोधी दलों के नेताओं को बुलवाया। मंच से बड़ा शो किया। जताने की कोशिश की कि विपक्षी एकता के बूते पर अब भाजपा के दिन गिनती के हैं। अंततः हुआ क्या? चौदह महीने बाद ही कांग्रेस और जेडीएस में बगावत हुई और भाजपा की सरकार बन गई। तब भाजपा का साथ देने वाले कांग्रेसी विधायकों में सभी सिद्धारमैया के थे। उनके ताजा रवैये से साफ हैं कि वह आगे भी चुप नहीं बैठेंगे। सरकार भले ही उनके पुत्र के कारण चलती रहे, पर वह डीके की छाती पर मूंग तो दलते रहेंगे। हालांकि भाजपा की दिक्कत यह है ही वह चाहकर भी कांग्रेस की भीतरी कलह का कोई फायदा नहीं उठा सकती। वहां पार्टी के अध्यक्ष बीवाई बिजेंद्र और नेता प्रतिपक्ष आर अशोक के बीच छत्तीस का आंकड़ा है।

लापरवाही... गल्ला व गेहूं मंडी में खुले आसमान के नीचे अनाज

भोपाल। भोपाल। एक ओर मानसून की दस्तक की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर भोपाल की गल्ला-गेहूं मंडी में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा हुआ है। मंडी प्रशासन की लापरवाही के चलते किसानों और व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। यदि समय रहते गेहूं को सुरक्षित स्थान पर नहीं पहुंचाया गया या उसके लिए पर्याप्त तिरपाल और भंडारण की व्यवस्था नहीं की गई, तो बारिश होने पर बड़ी मात्रा में अनाज खराब हो सकता है। मंडी में जगह-जगह गेहूं के ढेर खुले आसमान के नीचे दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा मानसून के जल्द सक्रिय होने की संभावना जताई जा रही है, इसके बावजूद मंडी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम उठाए जाते नजर नहीं आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने अपनी मेहनत की फसल मंडी में बेचने के लिए पहुंचाई है, लेकिन उसके संरक्षण की जिम्मेदारी प्रशासन निभाने में विफल साबित हो रहा है

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर नीति आयोग की रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

स्कूल छोड़ रहे बच्चे, शिक्षक भी कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के मोर्चे पर सरकार ने बड़ी सफलता हासिल की है, लेकिन माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले बच्चों (ड्रॉपआउट) की बढ़ती संख्या अब चिंता का विषय बन गई है। नीति आयोग की हाल ही में जारी स्कूल एजुकेशन सिस्टम इंडिया रिपोर्ट ने प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की कई चुनौतियों को सामने रखा है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 में माध्यमिक स्तर (कक्षा 9वीं और 10वीं) पर ड्रॉपआउट दर 16.8 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो देश के कई राज्यों की तुलना में काफी अधिक है।

प्राथमिक शिक्षा में बड़ी उपलब्धि

रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश ने प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किया है। वर्ष 2024-25 में प्राथमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर शून्य दर्ज की गई है। एक दशक पहले वर्ष 2014-15 में यह आंकड़ा 10.14 प्रतिशत था। स्कूल चले हम अभियान, गृह संपर्क अभियान और अन्य सरकारी योजनाओं के चलते बच्चों को स्कूलों से जोड़े रखने में सफलता मिली है। यह उपलब्धि प्रदेश के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

माध्यमिक स्तर पर हर छह में से एक छात्र छोड़ रहा पढ़ाई

हालांकि प्राथमिक स्तर की सफलता के बावजूद माध्यमिक शिक्षा में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। रिपोर्ट बताती है कि नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों में 16.8 प्रतिशत बच्चे पढ़ाई बीच में छोड़ रहे हैं। इसका मतलब है कि लगभग हर छह में से एक छात्र माध्यमिक शिक्षा पूरी नहीं कर पा रहा है। हालांकि वर्ष 2014-15 में यह दर 23 प्रतिशत से अधिक थी और पिछले दशक में इसमें कमी आई है, लेकिन वर्तमान स्थिति अब भी गंभीर मानी जा रही है। तुलना करें तो राजस्थान में यह दर 7.7 प्रतिशत, बिहार में 6.9 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 15.3 प्रतिशत है। उच्च प्राथमिक स्तर यानी कक्षा 6 से 8 तक की ड्रॉपआउट दर 6.3 प्रतिशत दर्ज की गई है। वर्ष 2014-15 में यह दर 11.7 प्रतिशत थी। यानी इस स्तर पर सुधार हुआ है, लेकिन प्रदेश अभी भी कई राज्यों से पीछे है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि किशोरावस्था में बच्चों के स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए विशेष प्रयासों की जरूरत है।

हजारों स्कूल एक शिक्षक के भरोसे

रिपोर्ट में शिक्षकों की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर स्थिति उजागर हुई है। प्रदेश में 7,217 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक पदस्थ है। इन स्कूलों में 2.29 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में एक शिक्षक को पढ़ाने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है, जिससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होती है। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में लगभग 70 हजार शिक्षकों के पद रिक्त हैं। वहीं 463 ऐसे स्कूल भी चिह्नित किए गए हैं, जहां एक भी विद्यार्थी नहीं है, लेकिन वहां 223 शिक्षक तैनात हैं। इससे संसाधनों के असंतुलित उपयोग का मुद्दा भी सामने आया है। शिक्षाविदों का मानना है कि ड्रॉपआउट के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। आर्थिक कठिनाइयां, परिवार की जिम्मेदारियां, रोजगार की ओर बढ़ता रुझान, स्कूलों की दूरी, परिवहन की कमी, कमजोर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सीमित उपलब्धता प्रमुख कारण हैं।

कफ सिरप मामला... नेटवर्क से जुड़े तीन मास्टर माइंड का खुलासा

नशे की कफ सिरप बनाने वाले आरोपियों के बैंक खाते खंगालने जा रहे, 30 हजार का इनाम भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्पेशल टास्क फोर्स भोपाल यूनिट की टीम को रिमांड पर मौजूद दो आरोपियों से उनके नेटवर्क से जुड़े तीन कुख्यात मास्टरमाइंड का पता चला है। यह तीनों एसटीएफ की गिरफ्तारी से बचने अपने-अपने ठिकानों से फरार चल रहे हैं। जिनके बारे में सूचना देने पर एडीजी एसटीएफ डी.श्रीनिवास वर्मा की तरफ से तीस-तीस हजार रुपए का ईनाम घोषित कर दिया है।

तीनों आरोपियों के नामों का खुलासा करते हुए एसपी राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि अभी वे तीनों नहीं मिले हैं। इनके नाम राहुल उर्फ अर्जुन मालवीय, निखिल उर्फ नितिन साहू और सलमान उर्फ बाबू भाई पता चले हैं। इन तीनों के पास कफ सिरप की सप्लाई चेन और उसके नेटवर्क को संभालने का जिम्मा था। यह तीनों आरोपी गांधी नगर स्थित पटेल सिटी और परवलिया सड़क स्थित मुबारकपुर में रीपैकेजिंग और रिमिक्संग माल को सप्लाई करने का काम देखते थे। तीनों आरोपी भोपाल शहर के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं।

जिनकी तलाश में दो टीम जुटी हुई है। इधर, एसटीएफ ने गिरोह के वित्तीय लेन-देन और उनके खातों को भी खंगालने का काम शुरु कर दिया है। जिसके लिए एक बैंक लेन-देन वाली टीम बनाई गई है। जिसके माध्यम से गिरोह के स्थानीय नेटवर्क सूत्र को स्थापित करने में मदद मिलेगी।

एसटीएफ सूत्रों की माने तो इस गिरोह से जुड़े करीब पांच अन्य लोगों की भी संदिग्ध भूमिका सामने आ रही है। जिसके बारे में तहकीकात करने और उनके खिलाफ सबूत जुटाने का भी काम किया जा रहा है। एसटीएफ ने परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित मुबारकपुर के मकान से ऑफ कप कोडिन युक्त सिरप की 22155 शीशी बरामद की थी। वहीं ऑनरेक्स कफ सिरप की 970 शीशी बरामद की गई। माल पांच दिन की रिमांड पर चल रहे आरोपी अकील खान और आकाश भाटी से हुई पूछताछ के बाद मिला था। जिस मकान से माल बरामद किया गया वह अकील खान का घर है। बरामद माल करीब 50 लाख रुपए का था। इससे पहले करीब एक करोड़ रुपए का माल एसटीएफ ने बरामद किया था। यह गांधी नगर स्थित पटेल सिटी में मिला था। जिसको आकाश भाटी ने एक साल से किराए पर लिया था। यहां से एसटीएफ को नशीली और ड्रग लायसेंस न होने के बावजूद रीपैक होकर लेबल लगाकर सप्लाई के लिए भेजी जानी वाली 49,920 शीशी बरामद की थी। यह कार्रवाई एसटीएफ ने 28-29 मई की दरमियानी रात अंजाम दी थी। पुलिस ने इस ठिकाने से तीन नाबालिग समेत पुलिस ने राजगढ़ और सीहोर जिले में रहने वाले दस आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसमें आकाश भाटी, चंद्रपाल मोंगिया, धान सिंह, हरिओम मोंगिया, नरेश भाटी, अजय मोंगिया और अकील खान परवलिया सड़क भोपाल में रहता है।

सुर -ताल द्वारा आयोजित कवि गोष्ठी में कवियों ने बिखेरे कविताओं के रंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

साहित्य कला और संस्कृति को समर्पित राजधानी की अग्रणी संस्था द्वारा सरस कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, गोष्ठी का शुभारम्भ कवियत्री नम्रता नमिता की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ- विनती है शारदे सरल शुभ तान दे। गोष्ठी में लकार के. कांत ने पड़ा -खुद अपना दीदार कर लिया होता,गुनाहों का दरिया पार कर लिया होता। अभिलाष श्रीवास्तव अनुभूति ने गोष्ठी को कुछ यूं आगे बढ़ाया -दिया जैसा नियति ने मैं वही किरदार हूं। वरिष्ठ कवि बीके श्रीवास्तव की पंक्तियाँ थीं - जब वे चाहे तभी मृत्यु होगी उन्हें इच्छा मृत्यु प्राप्त थी। कवि राम मोहन चौकसे- रोने को मन किया जी भर के रो लिए जिससे लिपटकर रोये वह दीवार थी किसी के कंधे नहीं थे वरिष्ठ कवि बिहारी लाल सोनी अनुज ने गोष्ठी को आगे कुछ बढ़ाया - छा रही घोर निराशा है अब तो घोर तमाशा है। मनीष श्रीवास्तव बादल भी सराहे गये जो कभी हंसते नहीं और रोते नहीं। डॉ.मीनू पांडे नयन- प्रियवर तेरे नेह ने हमको यूं महका कर छोड़ दिया। वरिष्ठ कवि गोकुल सोनी ने पड़ा। वक्त के साथ तुमने जो बदला है रंग में बदल जाऊं इतना यह मुमकिन नहीं। कवियत्री कविता बांगर को श्रोताओं की खूब तालियां मिली -जीवन का अनुराग लिखूंगी नेह विरह और त्याग लिखूंगी। कवि राजीव श्रीवास्तव ने पड़ा -नफरत की आंधियों ने किया राख उनका घर फिर भी नफरतों के लिए कहते रहे शेर। डॉ. गौरी शंकर गौरीश - हृदय की पीड़ा कैसे बयां करूं जो जुवां बोल नहीं सकती उसका क्या करूं। चित्रेन स्वरूप राजन ने पड़ा -मुझे लगता नहीं है कोई भी अब काम मुश्किल है। हास्य व्यंग्य कवि सुनील तुक्क - गिरी बाला फिर इतना क्यों गिरी। अभय जैन -बड़े-बड़े शहरों में ऐसा भी होता है। कार्यक्रम के संयोजक कवि विमल भंडारी ने पड़ा -टुकड़ों में ही जीना है टुकड़ों मैं मुस्काना है। कार्यक्रम का सफल संचालन कर रहे घनश्याम मैथिल अमृत की पंक्तियां थीं -क्या है तेरा हाल जमुरे बस हड्डी पर खाल जमूरे। नवगीतकार मनोज जैन मधुर ने पड़ा - कुछ दिन रहना चाहता हूं जाकर निर्जन वन में। नम्रता नमिता ने पड़ा -अपनी पीड़ा किसे बताऊं मैं जाकर दुनिया में बस अच्छा देखा है। गीतकार ऋषि श्रृंगारी खूब सराहे गये - निगोड़ा मन कहे मुझे सुहानी शाम हो जाऊं। सुपरिचित कवियत्री अनु सपन ने गोष्ठी को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की - मन की कलियों में घूम लो आकर मेरी यादों में झूम लो आकर। गढ़लकार अशोक निर्मल की ल का ए शेर देखें - दर्द मेरे हैं मेरे तलाश हुए घर में पत्थर हैं लेकिन तराशे हुए। गोष्ठी के अंत में आयोजक विमल भंडारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आरबीएम पिद्दी 11 बनी सिंधी सुपर किंग्स की चैंपियन, विजेता को मिले 1.51 लाख

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधु सेना भोपाल द्वारा लगातार नौवें वर्ष आयोजित किए गए नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट सिंधी प्रीमियर लीग-सीजन 9 का समापन हो गया। इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में आरबीएम पिद्दी 11 ने संत हिरदाराम 11 को 5 विकेट से शिकस्त देकर सिंधी सुपर किंग्स-2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। खिताबी मुकाबले में संत हिरदाराम 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवरों में 94 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था, जिसे आरबीएम पिद्दी 11 ने शानदार खेल दिखाते हुए हासिल कर लिया। फाइनल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पलाश को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में भोपाल की कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया,

जिसमें विजेता टीम आरबीएम पिद्दी 11 को 1 लाख 51 हजार नकद व ट्रॉफी और उपविजेता संत हिरदाराम 11 को 51 हजार नकद व ट्रॉफी से नवाजा गया। टूर्नामेंट के व्यक्तिगत पुरस्कारों में आरबीएम 11 के पलाश को सर्वाधिक 220 रन बनाने पर बेस्ट बैट्समैन, यूसीसी के राहुल मनचंदा को 10 विकेट लेने पर बेस्ट बॉलर और संत हिरदाराम 11 के पीयूष को बेस्ट फील्डर का अवॉर्ड मिला। वहीं, शानदार ऑलराउंड खेल दिखाने वाले घराना 11 के मोहित सचदेवा को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिलाध्यक्ष रवींद्र यति ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

सैफ अली खान से नवाब की संपत्तियों के मूल दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग

भोपाल। भारत सरकार ने शत्रु संपत्ति प्रकरण में सैफ अली खान, शर्मिला टैगोर (पटौदी), सबाह अली खान, सोहा अली खान तथा सबीहा सुल्तान को नवाब भोपाल की संपत्तियों का परिवारजन मानते हुए नोटिस जारी किए थे। वहीं इन सभी ने शत्रु संपत्ति मामले में हाईकोर्ट जबलपुर में भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन को पक्षकार बनाकर याचिकाएं दायर की थीं।

सैफ अली खान एवं अन्य परिवारजनों से नवाब भोपाल की निजी संपत्तियों से संबंधित 29 अप्रैल 1949 को तत्कालीन अधिकारी वीपी मेनन द्वारा हस्ताक्षरित मूल नक्शा, 30 अप्रैल 1949 का मूल मर्जर एग्रीमेंट तथा एक जून 1949 से पूर्व तैयार नवाब भोपाल की व्यक्तिगत संपत्तियों की मूल सूची सार्वजनिक कराई जाए।

स्थिति स्पष्ट करने के लिए दस्तावेज जरूरी

यह मांग समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने भोपाल रियासत की कथित शत्रु संपत्ति मामले में एडीएम सुमित कुमार पांडे को ज्ञापन सौंपते हुए की है। उनका कहना है कि भोपाल रियासत की शत्रु संपत्ति की निष्पक्ष जांच और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए ये दस्तावेज अत्यंत आवश्यक हैं।

वार्ड 4-5 में कांग्रेस की बैठक आयोजित

संतनगर। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान में वार्ड 4 और 5 के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में भोपाल प्रभारी रवि जोशी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, और सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

मेट्रो एंकर | 5 लाख हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य, 27 जुलाई को मनाएंगे गौ सम्मान दिवस

गौ- सम्मान अभियान को मिला जनसमर्थन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गौमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान को लेकर चल रहा गौ-सम्मान आह्वान अभियान के लिए राजधानी सहित पूरे मध्यप्रदेश में जनसमर्थन जुटाया रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सैकड़ों गौ-भक्त, सामाजिक कार्यकर्ता अब 27 जुलाई को कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। इस दिन को गौ- सम्मान दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

अभियान के प्रदेश प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि गौमाता का विषय भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था और सामाजिक चेतना से भी जुड़ा हुआ है। यह सनातन की रीढ़ है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी अभियान तेजी से लोगों तक पहुंच रहा है। भोपाल संभाग प्रभारी कवेंद्र शर्मा का कहना है कि अभियान का प्रचार-प्रसार बैनर, पोस्टर, पंपलेट आदि से गौ-सेवक कर रहे हैं। जनजागरण में जुटे नंद बाबा प्रकाश नारायण गिरी जी महाराज ने भोपाल प्रवास के दौरान बताया कि बता दें कि ये अभियान दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। इसमें देशभर से लगभग 40 करोड़ समर्थन हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले चरण के तहत 27 अप्रैल को 5.25 करोड़ लोगों ने हस्ताक्षर कर गौ सेवा, सुरक्षा और सम्मान के समर्थन में भागीदारी दर्ज कराई। अब 27 जुलाई को गो सम्मान दिवस पर सुबह 8 बजे से 9.15 बजे तक विजय मंत्र श्रीराम जय राम जय जय राम का सामूहिक संकीर्तन किया जाएगा। इसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे।

आत्म मंथन से ही संभव है सच्ची भक्ति

संतनगर. जोन स्तरीय निरंकारी संत समागम राजगढ़ जिले के गनियारी में हुआ, जिसमें कानपुर के ज्ञान प्रचारक महात्मा बृजेश वर्मा मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कहा कि भक्ति कोई बाहरी दिखावा या नाम नहीं, बल्कि अपने भीतर की एक सजग यात्रा है। सच्ची भक्ति वही है जहां मनुष्य आत्म-मंथन के जरिए दूसरों को परखने से पहले स्वयं को जांचे और अपनी कमियों में सुधार कर हर पल जागरूक जीवन जिए। हर इंसान में निराकार प्रभु के दर्शन कर सरल व निष्कपट व्यवहार करना और ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के बाद सेवा, सुमिरन व सत्संग के जरिए इस दिव्य एहसास को बनाए रखना ही वास्तविक भक्ति है।

उत्तरी अमेरिका के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी पर फहराया तिरंगा

मप्र की बेटी ज्योति रात्रे ने पिको डी ओरिजाबा फतह कर रचा इतिहास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की प्रसिद्ध पर्वतारोही और माउंट एवरेस्ट विजेता ज्योति रात्रे ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया है। ज्योति ने 30 मई 2026 को मैक्सिको स्थित पिको डी ओरिजाबा की 5,636 मीटर (18,491 फीट) ऊंची चोटी पर सफलतापूर्वक तिरंगा फहराकर नया इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि के साथ वे उत्तरी अमेरिका के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी पर तिरंगा फहराने वाली भारत की सबसे वरिष्ठ महिला बन गई हैं। साथ ही वे तीन महाद्वीपों के सबसे ऊंचे ज्वालामुखियों पर चढ़ाई करने वाली भारत की सबसे वरिष्ठ महिला पर्वतारोही भी बन चुकी हैं। खास बात यह है कि मध्यप्रदेश से अब तक कोई भी पर्वतारोही इस शिखर तक नहीं पहुंच पाया था।

आधी रात से शुरू हुआ संघर्ष

ज्योति रात्रे ने बताया कि अंतिम चढ़ाई 30 मई की रात 12:42 बजे शुरू हुई। कड़ाके की ठंड, तेज़ हवाओं और घने अंधेरे के बीच उन्होंने शिखर की ओर कदम बढ़ाए। करीब 10 घंटे 28 मिनट के कठिन संघर्ष के बाद सुबह 11:10 बजे वे शिखर पर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने एक ही प्रयास में लगभग 1,400 मीटर की सीधी ऊंचाई तय की, जो पर्वतारोहण की दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। अभियान के दौरान तापमान –15 से –18 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, जबकि तेज हवाओं के कारण ठंड का असर –20 डिग्री जैसा महसूस हो रहा था। ग्लेशियर, ज्वालामुखीय चट्टानें और बर्फीली ढलानें हर कदम पर जोखिम बढ़ा रही थीं। ज्योति रात्रे ने कहा कि चढ़ाई जितनी कठिन थी, उससे कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण नीचे उतरना था, लेकिन शिखर पर तिरंगा फहराते ही लगा कि हर संघर्ष सफल हो गया।

9 अफसरों को नोटिस 15 दिन के अंदर मांगा जवाब

इंजीनियरों का कमाल, सड़कों की गारंटी, दोबारा बनाने का प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों ने कमाल कर दिया। उन्होंने उन सड़कों को दोबारा बनाने का प्रस्ताव भेज दिया, जो गारंटी में शामिल हैं। ऐसे 9 इंजीनियरों को नोटिस थमाकर 15 दिन में जवाब मांगा गया है।

सड़कें परफॉर्मेंस गारंटी अवधि में शामिल है। अधिकारियों ने भोपाल, रायसेन, ग्वालियर, नर्मदापुरम, मंदसौर और मुरैना की 19 सड़कों के लिए करीब 140 करोड़ रुपए के प्रस्ताव शासन को भेजे थे, जबकि इन सड़कों की मरम्मत और संधारण की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों की थी। नोटिस के मुताबिक- अधिकारियों ने नियमों के विपरीत परफॉर्मेंस गारंटी अवधि में ही नए निर्माण कार्यों की अनुमानित लागत तैयार कर प्रशासकीय स्वीकृति के लिए भेज थे।

किस इंजीनियर ने कितना प्रस्ताव भेजा

- योगेंद्र कुमार ने भोपाल-रायसेन की 8 सड़कों पर व्हाइट टॉपिंग के प्रस्ताव दिए। इनकी लागत 51.65 करोड़ रुपए बताई गई।
- राकेश निगम ने 3 सड़कों के लिए 27.50 करोड़ रुपए मांगे।
- एसआर परते ने 19.03 करोड़ रुपए से 3 सड़कों को दोबारा बनाने का प्रस्ताव भेजा।
- एके जैन ने ग्वालियर में 13.56 करोड़ रुपए गांधी रोड बनाने का प्रस्ताव दिया। ओमहरि शर्मा ने भी यही प्रस्ताव भेजा था।
- आदित्य सोनी ने मंदसौर में 5.20 करोड़ रुपए से 2 सड़कों के प्रस्ताव दिए।
- पीके झा ने रायसेन जिले में छींद मार्ग के लिए 5.12 करोड़ रुपए की मांग की।
- सुभाष पाटिल और संजय रायकवार ने नर्मदापुरम में 2.23 करोड़ रुपए से 4 सड़कों की मरम्मत का प्रस्ताव दिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम मोहन ने दिए निर्देश

महिलाओं-बच्चों के कल्याण के लिए बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन, लापरवाहों पर गिरेगी गाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक जन भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। महिलाओं और बच्चों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो। बच्चों और महिलाओं में पोषण स्तर को बेहतर करने के लिए संचालित गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित निजी अस्पतालों और संस्थाओं को भी जोड़ा जाए। इस दिशा में अन्य राज्यों और प्रदेश के जिलों में हो रहे सफल नवाचारों को अपनाने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करें और लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्रीने यह निर्देश मंत्रालय में हुई महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन औद्योगिक इकाइयों में महिला कर्मियों की संख्या अधिक है, उन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में बताया गया कि देवास, नर्मदापुरम, झाबुआ और सिंगरौली में वर्किंग वुमेन हॉस्टल का निर्माण प्रारंभ हो गया है। प्रताड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने के लिए पांढुर्णा, मऊगंज, मैहर, पेटलावद-झाबुआ, इंदौर के लसूड़िया और सांवेर एवं धार के मनावर और पीथमपुर में वन स्टॉप सेन्टर स्वीकृत किए गए हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन अंतर्गत 51 जिला स्तरीय और 01 राज्य स्तरीय हेल्प सेंटर के माध्यम से 66 हजार से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई गई।

5 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित किया गया विद्यारंभ समारोह

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 5 से 6 आयु वर्ग के 9 लाख 28 हजार बच्चों के लिए विद्यारंभ आयोजित कर उन्हें विद्यारंभ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया और बच्चों का शाला में सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया गया। प्रदेश के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली है। बाल देखरेख संस्थाओं द्वारा मुख्यमंत्री खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव के आयोजन की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है।

सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी

बैठक में बताया गया कि सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन के अंतर्गत प्रदेश में एक साथ 12 हजार 670 मिनी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत कर मध्यप्रदेश देश में अग्रणी बना है। इस प्रकार की पहल में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में जनवरी 2024 से मई 2026 तक प्रदेश की 01 करोड़ 25 लाख से अधिक पात्र बहनों को 47 हजार 775 करोड़ रुपये से अधिक की मासिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत मई 2026 तक 15 लाख 84 हजार बालिकाओं का पंजीयन कर 537 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की गई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में देश में अव्वल

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में दर्ज 15 लाख 51 हजार गर्भवती महिलाओं को 798 करोड़ 68 लाख रूपये से अधिक का भुगतान किया गया। इस योजना के क्रियान्वयन में पिछले ढाई साल से मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पोषण स्तर में सुधार के लिए किये जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। बैठक में सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती जी.वी. रश्मि सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल बायपास समेत 7 सड़कें बनेंगी हाईटेक

18,675 करोड़ रुपए का प्रस्ताव, अब सरकार खुद वसूलेगी टोल टैक्स

भोपाल ईस्टर्न बायपास समेत 489 किमी लंबी सात सड़क परियोजनाएं HAM मॉडल पर प्रस्तावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को नई गति देने की तैयारी शुरू हो गई है। राजधानी भोपाल के प्रस्तावित ईस्टर्न बायपास सहित प्रदेश की सात महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) के तहत विकसित किया जाएगा। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 489 किलोमीटर और अनुमानित लागत 18,675 करोड़ रुपये है।

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने इन परियोजनाओं का प्रस्ताव राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति को भेज दिया है। स्वीकृति मिलने के बाद इन परियोजनाओं पर आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हाइब्रिड एन्युटी मॉडल केंद्र सरकार द्वारा विकसित एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप व्यवस्था है, जिसे वर्ष 2016 में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में लागू किया गया था। इसका उद्देश्य निजी निवेशकों का जोखिम कम करना और अधूरी या धीमी परियोजनाओं को गति देना है। सड़क निर्माण के लिए सरकार और निजी कंपनियों के बीच इस पीपीपी मॉडल के तहत निर्माण का वित्तीय जोखिम अकेले सरकार या कंपनी पर नहीं होता, बल्कि दोनों के बीच बंट जाता है। इस मॉडल को अब मप्र सड़क विकास निगम अपनी परियोजनाओं में अपना रहा है।

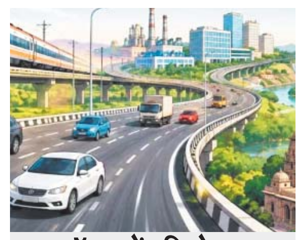

इस मॉडल में परियोजना की कुल लागत का हिस्सा

- 40 प्रतिशत हिस्सा सरकार वहन करती है।
- 60 प्रतिशत निवेश निजी डेवलपर करता है।

निर्माण के बाद सरकार चरणबद्ध तरीके से निजी कंपनी को उसकी निवेश राशि ब्याज सहित वापस करती है।

निजी कंपनी नहीं वसूलेगी टोल

HAM मॉडल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि सड़क बनने के बाद टोल संग्रह का अधिकार निजी कंपनी के पास नहीं होगा। टोल वसूली पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में रहेगी। निजी डेवलपर द्वारा लगाए गए 60 प्रतिशत निवेश की भरपाई सरकार 15 से 20 वर्षों तक छमाही किस्तों में करेगी। साथ ही सड़क के रखरखाव और संचालन के लिए भी निर्धारित भुगतान किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मॉडल से सरकार और निजी क्षेत्र दोनों की भागीदारी सुनिश्चित होगी। वित्तीय जोखिम साझा होने से बड़ी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी और प्रदेश की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

पचमढ़ी के जंगल में 81 साल पुराना 'टायनम पूल'

जड़ी-बूटियों वाले प्राकृतिक पानी से मिलती है 'नेचुरल थेरेपी'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भीषण गर्मी के इस मौसम में यदि आप प्रकृति के बीच सुकून और ठंडक की तलाश कर रहे हैं तो मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी आपके लिए सबसे बेहतरीन डेस्टिनेशन है। पचमढ़ी के घने जंगलों के बीच स्थित 'टायनम पूल' इन दिनों पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पहाड़ों और जंगलों से रिसकर आने वाला इसका शीतल जल सैलानियों को न सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से राहत दे रहा है बल्कि एक अनोखी 'नेचुरल जल थेरेपी' भी प्रदान कर रहा है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पचमढ़ी के सहायक संचालक संजीव शर्मा के मुताबिक टायनम पूल प्राकृतिक पानी का एक बेहद समृद्ध स्रोत है। सतपुड़ा के पहाड़ों और घने जंगलों से रिसकर आने वाला पानी यहां सालभर जमा रहता है जबकि अतिरिक्त पानी खुद-ब-खुद जंगल की ओर बह जाता है। सबसे खास बात यह है कि जंगलों से बहकर आने के कारण इस पानी में पचमढ़ी की कई दुर्लभ जड़ी-बूटियों के अंश समाहित हो जाते हैं। यही वजह है कि इस पूल का पानी एक प्राकृतिक चिकित्सा यानि नेचुरल थैरेपी की तरह काम करता है। इसमें स्नान करने और गर्मी से राहत पाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दूर से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

अंग्रेजों के जमाने का है इतिहास, गवर्नर के नाम पर नामकरण

इस खूबसूरत और ऐतिहासिक पूल का इतिहास करीब 81 साल पुराना है। इसका निर्माण अंग्रेजों के शासनकाल में वर्ष 1945 में हुआ था। पूल के समीप आज भी एक प्राचीन ऐतिहासिक शिलालेख मौजूद है, जिस पर तत्कालीन अंग्रेज गवर्नर आर. हेनरी जे. टायनम का नाम दर्ज है। उन्हीं के नाम पर इस प्राकृतिक स्विमिंग पूल को 'टायनम पूल' के रूप में पहचान मिली। प्रशासन अब इस प्राकृतिक धरोहर को सहेजने और पर्यटकों की सहूलियतें बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है। वर्तमान में यहां पानी को स्वच्छ रखने के लिए एक छोटा कुंड और नाली की व्यवस्था है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में पर्यटकों की सुविधा के लिए यहां कई और सुधार और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जाने की योजना है।

कूनो के जंगल में मुक्त किये गये चीता निरवा और उसके तीन शावक

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापना परियोजना को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। चीता निरवा और उसके 13 माह के तीन शावकों (दो नर एवं एक मादा) को सफलतापूर्वक नेशनल पार्क के जंगल में मुक्त कर दिया गया है। इन चीतों को पालपुर ईस्ट रेंज के अहेरा पर्यटन क्षेत्र में विगत शनिवार को मुक्त किया गया। चीता निरवा और उसके तीनों शावकों के जंगल में छोड़े जाने से कूनो के इस क्षेत्र में पुनर्स्थापित चीतों का पारिस्थितिकी तंत्र सशक्त होगा। इससे क्षेत्र में ईको-टूरिज्म गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों को प्राकृतिक परिवेश में चीतों के व्यवहार और उनकी गतिविधियों को देखने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। इससे वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

ग्वालियर में फिर धंसी करोड़ों की चेतकपुरी-महल रोड, मानसून से पहले ही खुली भ्रष्टाचार की सुरंग

ग्वालियर। ग्वालियर की चर्चित चेतकपुरी-महल रोड एक बार फिर धंस गई है। लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से बनी इस सड़क पर सोमवार को अचानक करीब चार फीट गहरा सुरंगनुमा गड्ढा बन गया। सड़क के बीच बने इस खतरनाक गड्ढे को देखकर राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत फैल गई। लोग दूरी बनाकर वाहन निकालते नजर आए। हैरानी की बात यह है कि अभी मानसून शुरू भी नहीं हुआ है। प्री-मानसून की हल्की बौछारें तक नहीं पड़ीं और सड़क की परतें जवाब देने लगीं। गड्ढे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों ने निर्माण गुणवत्ता और भ्रष्टाचार को लेकर जमकर नाराजगी जताई। कई लोगों ने इसे ऊभ्रष्टाचार की सुरंगऊ बताते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। करीब 11 महीने पहले इसी सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया था। चेतकपुरी से सिटी सेंटर जाने वाले मार्ग पर लगभग 10 फीट गहरा सुरंगनुमा गड्ढा बन गया था, जिसने प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी थी।

मेट्रो एंकर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर मालवांचल यूनिवर्सिटी में आयोजित हुआ योग

35 हजार से अधिक छात्रों, प्राध्यापकों ने योग कर बनाया रिकॉर्ड

भोपाल/इंदौर, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत देशभर में आयोजित किए जा रहे योग महोत्सव एवं काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरूआत हो गई है। नेमावर रोड़ स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी इंदौर में सामूहिक योग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के योगगुरू एवं एस. व्यासा यूनिवर्सिटी के कुलगुरू पद्मश्री डॉ. एच. आर. नागेन्द्र, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, संस्थान के डायरेक्टर सुरेश सिंह भदोरिया, डॉ. मयंक भदोरिया, डॉ. दीप्ति सिंह हाड़ा सहित अमलतास तथा इंडेक्स समूह संस्थानों के छात्र, नागरिक और सामाजिक संगठन आदि शामिल हुए। कार्यक्रम में मालवांचल एवं अमलतास यूनिवर्सिटी के 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। विद्यार्थियों के साथ योगगुरू पद्मश्री डॉ. एच. आर. नागेन्द्र, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, संस्थान के डायरेक्टर सुरेश सिंह भदोरिया, डॉ. मयंक भदोरिया ने भी सामूहिक योग किया।

योग के प्रति दुनिया भर में फैली जागरुकता

इस मौके पर अपने संबोधन में योगगुरू पद्मश्री डॉ. एस. आर. नागेन्द्र ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की योग के प्रति रूचि और आस्था के चलते योग आज पूरी दुनिया में फैल गया है। भारत में 30 करोड़ लोग आज से जुड़े हैं और यह संख्या दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल है और इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है। हमें पूरे मध्यप्रदेश के नागरिकों को योग से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में योग पाठ्यक्रम को शामिल किया जाए। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक बड़ा योग का कार्यक्रम कलकता में किया जाएगा।

राष्ट्रीय शक्ति का प्रवाह

कभी-कभी इतिहास बंदूकों की आवाज से नहीं, बहते पानी की दिशा बदलने से लिखा जाता है। पहाड़ों की गोद से निकलकर सीमाओं को पार करती नदियां केवल जलधाराएं नहीं होतीं, वे भूगोल, राजनीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प की जीवंत कहानियां होती हैं। आज चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना उसी कहानी का नया अध्याय बनकर उभर रही है। हिमालय के निर्जन और कठोर इलाकों में प्रस्तावित यह परियोजना देखने में एक इंजीनियरिंग योजना लग सकती है, लेकिन इसके भीतर भारत की जल नीति, संसाधन प्रबंधन और रणनीतिक सोच की गहरी परतें छिपी हैं। लगभग नौ किलोमीटर लंबी सुरंग के माध्यम से चिनाब नदी के अतिरिक्त जल को ब्यास बेसिन की ओर मोड़ने की तैयारी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि यह उस सोच का प्रतीक है जिसमें देश अपने प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना चाहता है। दशकों तक भारत की अनेक नदियों का विशाल जल बिना किसी उपयोग के सीमाओं के पार चला जाता रहा। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और कृषि की बढ़ती जरूरतों के इस दौर में पानी अब केवल प्राकृतिक उपहार नहीं रहा, बल्कि भविष्य की सबसे मूल्यवान पूंजी बन चुका है। ऐसे समय में हर बूंद का महत्व बढ़ गया है। चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह केवल जल संरक्षण का प्रश्न नहीं है। इसके पीछे ऊर्जा उत्पादन, सिंचाई विस्तार और जल सुरक्षा की संभावनाएं भी जुड़ी हुई हैं। आने वाले वर्षों में यदि यह परियोजना अपने निर्धारित स्वरूप में पूरी होती है तो इसका लाभ केवल किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों के बेहतर उपयोग का उदाहरण बन सकती है। हालांकि हर बड़ी परियोजना की तरह इसके साथ कुछ सवाल भी जुड़े हैं। हिमालयी पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना उतना ही आवश्यक है जितना जल का संरक्षण। यदि प्रकृति की कीमत पर विकास होगा तो उसका लाभ भी स्थायी नहीं रह पाएगा। फिर भी यह परियोजना एक महत्वपूर्ण संदेश देती है-21वीं सदी में राष्ट्रों की शक्ति केवल उनके हथियारों या सीमाओं से नहीं मापी जाएगी, बल्कि इस बात से भी तय होगी कि वे अपने जल, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों का कितना विवेकपूर्ण उपयोग कर पाते हैं।

लोकतंत्र में सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम की भूमिका

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

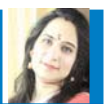

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनमत होता है। यह जनमत किसी एक दिन या एक चुनाव के दौरान निर्मित नहीं होता, बल्कि समाज में निरंतर चलने वाले संवाद, बहस, विचार-विमर्श, सामाजिक अनुभवों, राजनीतिक चेतना और नागरिक भागीदारी की लंबी प्रक्रिया से आकार लेता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का सूचित निर्णय, विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान और असहमति के प्रति सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लंबे समय तक देश में जनमत के निर्माण का आधार प्रत्यक्ष संवाद, जनसभाएं, सामाजिक संगठन, समाचार-पत्र, पुस्तकें, शिक्षण संस्थान और जन आंदोलन रहे। लेकिन डिजिटल क्रांति के बाद यह परिदृश्य तेजी से बदला है। आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह जनमत निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अब जनमत नागरिकों के स्वतंत्र चिंतन से अधिक सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम द्वारा निर्धारित होने लगा है?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी। करोड़ों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यू-ट्यूब, व्हाट्स ऐप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले जहां नागरिक किसी मुद्दे पर अखबार पढ़कर, बहस सुनकर या स्थानीय स्तर पर चर्चा करके राय बनाते थे, वहीं अब राय निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक डिजिटल मंचों पर निर्भर हो गई है। इस प्रक्रिया में सोशल मीडिया एल्गोरिदम की भूमिका केंद्रीय हो गई है।

एल्गोरिदम ऐसे तकनीकी तंत्र हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उपयोगकर्ता को कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं। वे उपयोगकर्ता की पसंद, गतिविधियों, खोज इतिहास और ऑनलाइन व्यवहार का विश्लेषण करके सामग्री का चयन करते हैं। तकनीकी दृष्टि से उनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है, क्योंकि डिजिटल कंपनियों का आर्थिक मॉडल इसी पर आधारित है। लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह प्रक्रिया कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि नागरिकों को वही सामग्री दिखाई जाए जो उनकी पूर्व मान्यताओं से मेल खाती हो, तो क्या वे विविध विचारों से परिचित हो पाएंगे? यदि एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि कौन सा मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो क्या लोकतांत्रिक विमर्श स्वतंत्र रह पाएगा?

जमीनी स्तर की राजनीतिक भागीदारी और डिजिटल सक्रियता के बीच का अंतर भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास प्रत्यक्ष जन सहभागिता के अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों ने जेल यात्राएं कीं, सत्याग्रह किए और सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाए। बाद के दशकों में भी अनेक आंदोलनों ने नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से संगठित किया। इन आंदोलनों में लोगों के बीच संवाद, विश्वास और सामूहिकता का निर्माण होता था। इसके विपरीत डिजिटल सक्रियता अकसर प्रतीकात्मक भागीदारी तक सीमित रह जाती है। किसी पोस्ट को साझा करना, किसी हैशटैग का समर्थन करना या प्रोफाइल फोटो बदलना आसान है, लेकिन यह हमेशा वास्तविक सामाजिक हस्तक्षेप में परिवर्तित नहीं होता। परिणामस्वरूप राजनीतिक भागीदारी का एक नया स्वरूप विकसित हुआ है जिसमें दृश्यता अधिक और प्रत्यक्ष सामाजिक प्रतिबद्धता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है।

सोशल मीडिया एल्गोरिदम का एक महत्वपूर्ण प्रभाव तथाकथित 'इको चैंबर' और 'फिल्टर बबल' के रूप में सामने आता है। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखता या पसंद करता है, तो एल्गोरिदम उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाने लगते हैं। धीरे-धीरे वह व्यक्ति ऐसे डिजिटल वातावरण में पहुंच जाता है जहां उसे मुख्यतः वही विचार दिखाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत होता है। इससे वैचारिक विविधता कम हो जाती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने लगती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने और समझने के लिए तैयार हों। लेकिन यदि एल्गोरिदम नागरिकों को वैचारिक रूप से अलग-अलग खेमों में बांट दें, तो लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। भारत में राजनीतिक ध्रुवीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर विभिन्न राजनीतिक समूह अपने-अपने डिजिटल समुदायों में सक्रिय रहते हैं। इन समुदायों के भीतर साझा की जाने वाली सामग्री अक्सर एक विशेष दृष्टिकोण को पुष्ट करती है और विरोधी विचारों को संदेह, उपहास या शत्रुता की दृष्टि से प्रस्तुत करती है। इससे समाज में संवाद की जगह टकराव की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन जब असहमति संवाद के बजाय वैमनस्य का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है।

फेक न्यूज और दुष्प्रचार का प्रश्न भी सोशल मीडिया एल्गोरिदम से गहराई से जुड़ा हुआ है। एल्गोरिदम उन सामग्रियों को अधिक बढ़ावा देते हैं जिन पर लोग तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं। अक्सर भावनात्मक और सनसनीखेज सामग्री तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री की तुलना में अधिक तेजी से फैलती है। यही कारण है कि झूठी खबरें, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक वीडियो और मनगढ़ंत दावे सोशल मीडिया पर अत्यंत तेजी से वायरल हो जाते हैं।

जब ट्रेंड जनमत को प्रभावित करने लगें, तब नागरिकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्हें यह समझना होगा कि हर वायरल सामग्री सत्य नहीं होती, हर ट्रेंड जनभावना का प्रतिनिधित्व नहीं करता और हर डिजिटल बहस लोकतांत्रिक विमर्श नहीं होती। लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाएं नहीं करतीं, बल्कि सचेत नागरिक भी करते हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि डिजिटल युग में नागरिक तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके द्वारा नियंत्रित न हों। यदि हम ऐसा कर पाए, तो सोशल मीडिया लोकतंत्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगा, अन्यथा यह खतरा बना रहेगा कि एक दिन जनमत नागरिकों की स्वतंत्र चेतना से नहीं, बल्कि एल्गोरिदम द्वारा निर्मित ट्रेंड से निर्धारित होने लगेगा। यही हमारे समय की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक चुनौती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्याय में देरी, न्याय की हत्या के समान... भरोसा कायम रहना जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

अगली पेशी अगले साल। यह देश की अदालतों में होता रहा है लेकिन हाल ही मे सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी को रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए सभी हाईकोर्ट्स को सख्त निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत, सुनवाई के बाद सुरक्षित रखे गए सभी फैसले अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाने अनिवार्य हैं। वहीं, जमानत से जुड़े मामलों में 24 घंटे के भीतर आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा पहली बार नहीं है पूर्व में भी पूर्व सीजेआई सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र और सत्तारूढ़ नेता समय समय पर देश की न्याय व्यवस्था में देरी की समस्या का समाधान खोजने का वायदा दावा और बयान करते रहे हैं लेकिन हर बार ढाक के वहीं तीन पात। न्याय मे देरी का सिलसिला नया नहीं है, लेकिन जब अदालतें बहस पूरी होने के बाद भी वर्षों तक फैसले सुरक्षित रखती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं रह जाती, बल्कि न्याय के मूल सिद्धांत पर सवाल खड़ा करती है। यह वह कड़वी सच्चाई है कि अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं और न्याय की उम्मीद लिए लोग तारीख पर तारीख काटते रहते हैं। कई मामलों में फैसला तब आता है, जब पीड़ित की उम्र, आर्थिक शक्ति और मानसिक ऊर्जा लगभग खत्म चुकी होती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि देर से मिला न्याय क्या सचमुच न्याय कहलाया जा सकता है? इस मामले में सुप्रीम कोर्ट कई बार निचली अदालतों को सचेत कर चुका है। एक बार फिर से हाईकोटों में फैसलों में हो रही देरी पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर चिंता जताते हुए स्पष्ट कहा है कि किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। यदि तीन महीने तक फैसला नहीं आता है, तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को वह मामला चीफ जस्टिस के सामने रखना होगा। यह निर्देश केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुप्रीम कोर्ट इसी गंभीर स्थिति पर सख्त रुख अपनाते हुए जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अदालत ने साफ कहा है कि फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि समय पर दिखना भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि कोई भी फैसला रिजर्व होने के तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया को अनुशासित करने वाला कदम है। यदि तीन महीने के भीतर फैसला नहीं सुनाया जाता, तो संबंधित हाईकोर्ट का रजिस्ट्रार जनरल मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखेगा। मुख्य न्यायाधीश अधिकतम दो सप्ताह का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। इसके बाद भी फैसला न आए तो मामला दूसरी बेंच को स्थानांतरित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है, है, क्योंकि किसी भी मुकदमे में फैसला सुरक्षित होने का अर्थ यह नहीं कि पक्षकारों की प्रतीक्षा अनंत हो जाए। सबसे गंभीर पहलू उन मामलों का है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हैं। जमानत, अग्रिम जमानत, सजा पर रोक या जेल में बंद विचाराधीन कैदियों से जुड़े मामलों में देरी का अर्थ सीधे-सीधे व्यक्ति की स्वतंत्रता पर चोट है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। यदि किसी व्यक्ति की जमानत याचिका पर बहस पूरी हो चुकी हो और आदेश महीनों तक सुरक्षित रखा जाए, जाए, तो यह केवल तकनीकी देरी नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का हनन है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी कारण कहा है कि जमानत से जुड़े मामलों में आदेश उसी दिन सुनाया जाना चाहिए और यदि सुरक्षित रखा जाए तो अगले दिन अवश्य जारी किया जाए। जमानत आदेशों को जेल प्रशासन तक तुरंत पहुंचाने का निर्देश भी बेहद महत्वपूर्ण है। कई बार अदालत से राहत मिलने के बाद भी कागजी प्रक्रिया में देरी के कारण आरोपी या दोषी जेल में ही रह जाता है। यह स्थिति न्याय की आत्मा के विरुद्ध है। यदि अदालत ने रिहाई का आदेश दिया है, तो जेल प्रशासन तक सूचना तुरंत पहुंचनी चाहिए और संबंधित व्यक्ति को उसी दिन या अधिकतम अगले दिन रिहा किया जाना चाहिए, बशर्ते वह किसी अन्य मामले में वांछित न हो या जमानत की शर्तें पूरी करता हो। यह व्यवस्था न्याय को कागज से जमीन तक पहुंचाने की दिशा में जरूरी सुधार है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल फैसला सुनाने की समय सीमा तय नहीं की, बल्कि विस्तृत आदेश अपलोड करने को भी अनिवार्य किया है। अदालत ने कहा है कि ऑपरेटिव पार्ट यानी मुख्य आदेश सुनाने के 15 दिनों के भीतर पूरा फैसला, कारणों सहित, वेबसाइट पर अपलोड होना चाहिए। यदि 15 दिन में विस्तृत फैसला अपलोड नहीं होता, तो पक्षकार आवेदन दे सकते हैं। यदि 30 दिन तक भी आदेश अपलोड न हो, तो पक्षकार मामले को वापस लेने या दूसरी बेंच में सुनवाई के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे न्यायिक आदेशों में पारदर्शिता बढ़ेगी और पक्षकारों को यह समझने का अवसर मिलेगा कि अदालत ने किस आधार पर फैसला दिया। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्देश यह है कि बहस पूरी होने और फैसला सुरक्षित रखे जाने की तारीख हाईकोर्ट की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाए।

खासकर ऐसे समय में जब पूर्व हाइकोर्ट जज यशवंत सिन्हा पर कार्यवाही में सुप्रीम कोर्ट से लेकर कानून और सरकार भी किंकर्तव्यविमूढ़ बनी रहती हैं और न्यायपालिका की साख को गंभीर आघात लगता है इतना ही नहीं जब निठारी कांड जैसे दर्जनों बच्चों की सीरियल मर्डर के मामलों में आरोपी सबूत के अभाव में रिहा हो जातें हैं और जब सजायाफ्ता रसूखदार धर्मगुरु राम रहीम आए दिन पैरोल पर बाहर आने जाने की छूट पाते हैं जब हजारों करोड़ का घोटाला कर रसूखदार राजनीतिक लोग जेल से जमानत पर रिहा कर दिया जाते हैं तब कानून की साख को धक्का लगना स्वाभाविक है ऐसे में कानून और अदालतें सिर्फ आम आदमी पर शिकंजा कसने के लिए प्रभावी नजर आती है और सत्ता व राजनीतिक ताकतवर सफेदपोश लोगों के लिए स्पेशल लीगल ट्रीटमेंट दृष्टि गोचर होता है। समय की मांग है कि न्यायपालिका बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के निष्पक्ष व समयबद्ध काम करें तभी आम आदमी को न्याय पालिका पर भरोसा बनेगा और समस्या का समाधान होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

बिना चोट के शरीर पर दिखें नीले निशान तो जांच कराना जरूरी

कई बार बिना चोट लगे शरीर पर नीले निशान पड़ जाते हैं। इस स्थिति को सायनोसिस कहते हैं। आम भाषा में इसे नील भी कहते हैं। कई लोग इसे बदलते मौसम का हवाला देकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। सायनोसिस की अन्य वजहें भी हो सकती हैं। सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि सायनोसिस, चोट के निशान और त्वचा के नीचे रक्तस्राव एक जैसी चीजें नहीं हैं। लोग अक्सर इन्हें एक ही मान लेते हैं, जबकि इनके कारण और प्रभाव अलग-अलग होते हैं।

सायनोसिस का मतलब है त्वचा का नीला पड़ जाना। यह तब होता है जब खून में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। ऐसे में होंठ, उंगलियों के सिरे, नाखूनों के नीचे की त्वचा या कभी-कभी पूरा शरीर हल्का नीला दिखाई देने लगता है। यह स्थिति सामान्य नहीं मानी जाती। इसका संबंध अक्सर दिल या फेफड़ों की बीमारी से हो सकता है। केवल गर्मी पड़ने से सायनोसिस नहीं होता। हालांकि बहुत ज्यादा डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी होने पर रक्त संचार प्रभावित हो सकता है और समस्या ज्यादा दिखाई देने लगती है। लेकिन यदि शरीर पर लगातार नीले धब्बे दिखाई दें तो डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

जब त्वचा के नीचे की छोटी रक्त वाहिकाएं टूट जाती हैं, तब थोड़ा खून आसपास के ऊतकों में फैल जाता है और त्वचा नीली या बैंगनी दिखने लगती है। कई बार चोट बहुत हल्की होती है और व्यक्ति को याद भी नहीं रहता कि चोट कब लगी थी। कुछ लोगों की स्किन पर बिना किसी साफ कारण के बार-बार नीले निशान पड़ जाते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कुछ दवाएं, खासकर खून पतला करने वाली दवाएं, शरीर में जल्दी नील पड़ने का कारण बन सकती हैं। विटामिन सी और विटामिन के की कमी के कारण भी त्वचा पर नीले निशान पड़ सकते हैं। बढ़ती उम्र में त्वचा और रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं, इसलिए बुजुर्गों में यह समस्या ज्यादा दिखाई देती है। कुछ मामलों में प्लेटलेट्स की कमी या खून से जुड़ी बीमारियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं।

नीले निशान और ब्लड क्लॉट में फर्क: कई लोग इन नीले निशानों को खून के थक्के यानी ब्लड क्लॉट समझ लेते हैं। लेकिन दोनों हमेशा एक जैसे नहीं होते। खून का थक्का बनना शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया है। जब शरीर में चोट लगती है तो खून बहना रोकने के लिए थक्का बनता है। यह शरीर की सुरक्षा प्रणाली का हिस्सा है। समस्या तब होती है जब शरीर के अंदर बिना जरूरत के थक्के बनने लगते हैं। ऐसे थक्के खून के बहाव को रोक सकते हैं और गंभीर स्थिति पैदा कर सकते हैं, खासकर अगर वे दिल, दिमाग या फेफड़ों तक पहुंच जाएं।

सुविचार

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।

–अज्ञात

निशाना

आस्था में पैनी धार..!

महेश अग्रवाल

आस्था में और पैनी धार क्यों होती नहीं
प्रार्थना अपनी कभी स्वीकार क्यों होती नहीं
पीर जो हमको विवशता से मिली है भेंट में
यह कभी प्रतिरोध में अंगार क्यों होती नहीं
लोभ है उसको नजाने क्यों शिखर का आज भी
ज़िदगी उसकी कभी आधार क्यों होती नहीं
जनहितों वाली सियासी चाल में फंसती रही
यह प्रजा नादान है हुशियार क्यों होती नहीं
धूप ,जल ,मौसम ,हवा अनूकूल लगते हैं मगर
वाटिका अपनी कभी गुलजार क्यों होती नहीं
इंकलाबों की नहीं है आहटें अब दूर तक
शब्द शिल्पी की क़लम हथियार क्यों होती नहीं
एक दिन तो इस जहां को अलविदा कहना हमें
ज़िदगी इसके लिए तैयार क्यों होती नहीं।

टेक्नो अपडेट

वाई-फाई राउटर के लिए आया मिनी यूपीएस बिजली जाने पर भी चलेगा इंटरनेट

आजकल घर से ऑफिस का काम करना हो या ऑनलाइन पढ़ाई, ज्यादातर लोग वाई-फाई का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन जब पावर कट हो जाए तो वाई-फाई भी बंद हो जाता है। क्योंकि वाई-फाई राउटर बिना बिजली के नहीं चलता है। इस समस्या को दूर करने के लिए Portronics ने Kinetics 8K पेश किया है। यह एक कॉम्पैक्ट मिनी PS पावर बैंक है, जिसे बिजली जाने पर Wi-Fi राउटर, मॉडेम और कम्पैटिबल सिक्योरिटी कैमरों को बैकअप पावर देने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसका मतलब है कि जिस तरह अभी तक स्मार्टफोन को पावर बैंक से चार्ज कर सकते थे। अब उसी प्रकार वाई-फाई भी इस पावर बैंक के जरिए चला पाएंगे। यह डिवाइस घरों और छोटे ऑफिस के माहौल को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट कनेक्टिविटी को लगातार बनाए रखना है।

Kinetics 8K में एक शानदार क्रीम-आइवरी कलर का पैलेट दिया गया है और यह एक मिनिमलिस्टिक डिजाइन के साथ आता है। घरों और ऑफिस में वाई-फाई राउटर के साथ रखा यह पावर बैंक घर की सजावट में ही मिल जाता है। इसका वजन कम है और डिजाइन कॉम्पैक्ट है, इस कारण इसे मौजूदा वर्कस्टेशन, राउटर या मनोरंजन सेटअप के साथ रखा जा सकता है, जिसके लिए ज्यादा जगह की जरूरत नहीं होती और ना ही इससे कई तार लगाने होते हैं।

5 घंटे का पावर बैकअपः इसमें 8000mAh की बैटरी दी गई है। कंपनी का दावा है कि यह लगातार 5 घंटे तक का पावर बैकअप दे सकता है। हालांकि, सटीक बैकअप इससे जुड़े उपकरणों की बिजली की खपत, बैटरी की स्थिति और इस्तेमाल के खास तरीकों के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। यह मिनी UPS खासतौर से 12V DC Wi-Fi राउटर को सपोर्ट करने के लिए बनाया गया है।

कई डिवाइस कर सकते हैं कनेक्टः कम बिजली वाले कई तरह के हार्डवेयर को सपोर्ट करने के लिए Kinetics 8K में कई आउटपुट ऑप्शन 5V/2.1A, 9V/2A और 12V/1.5A दिए गए हैं। इसमें SB-A और Type-C चार्जिंग पोर्ट मिलता है। यह ब्रॉडबैंड राउटर्स, ONT/फाइबर डिवाइस, कम्पैटिबल सिक्योरिटी कैमरों और अन्य छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को सपोर्ट करता है। इसको सेटअप करना बहुत आसान है। बस प्लग लगाया और यह काम करने लगेगा।

अजब - गजब

पाकिस्तान की वो जनजाति, जहां प्रेग्नेंट महिलाओं को निकाल देते हैं घर से बाहर

देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में कई ऐसी परंपराएं हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। पाकिस्तान की एक ऐसी प्रथा है जहां पर गर्भवती महिलाओं को बच्चों को जन्म देने से ठीक पहले घर से बाहर निकाल दिया जाता है। सुनने में यह अटपटा लगता है, लेकिन बिल्कुल सच है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित चित्राल जिले की हिंदूकुश घाटियों में रहने वाली 'कलाश जनजाति' की महिलाओं को बच्चे को जन्म देने के समय अपने सगे-संबंधियों और पति से पूरी तरह अलग होकर एक एकांतवास में रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कलाश जनजाति की महिलाएं अपने मासिक धर्म के दिनों में भी इसी नियम का पालन करती हैं, क्योंकि स्थानीय कबीले के लोगों का मानना है कि बच्चों को जन्म देने के दौरान और पीरियड्स के समय महिलाएं पूरी तरह अशुद्ध होती हैं। इसी कारण से उन्हें मुख्य गांव और अपने सगे परिवार से दूर एक अन्य अलग घर में भेज दिया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में बस्लेनी कहा जाता है। यह पूरी व्यवस्था कलश संस्कृति के उस धार्मिक और सामाजिक विश्वास पर टिकी है, जिसे वे 'प्रागाटा' यानी आध्यात्मिक अपवित्रता कहते हैं। इस जनजाति के लोग अपने पूरे गांव और घरों को बेहद पवित्र मानते हैं और उनका विश्वास है कि यदि कोई अशुद्ध महिला इस अवस्था में मुख्य गांव या अपने घर के भीतर कदम भी रखती है, तो इससे उनके देवता क्रोधित हो सकते हैं और पूरे कबीले पर प्राकृतिक आपदा, अकाल या कोई भयंकर महामारी आ सकती है।

नदियों किनारे होता है बसेराः गर्भावस्था के दौरान जब महिलाओं को घर से बाहर निकाला जाता है, तब उन्हें गांव की सीमा से काफी दूर, नदियों के किनारे या सुनसान ढलानों पर पत्थरों और लकड़ियों से बने घरों यानी बस्लेनी में रहना पड़ता है। कबीले के कड़े कानूनों के अनुसार, बस्लेनी नामक इस घर के भीतर पुरुषों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित और प्रतिबंधित माना जाता है। चाहे वह महिला का पति हो, पिता हो या कोई सगा भाई, कोई भी पुरुष इस घर की दहलीज को पार नहीं कर सकता। यदि कोई पुरुष अनजाने में या जानबूझकर इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता है और कबीले के बुजुर्गों द्वारा उस पर भारी आर्थिक जुर्माना लगाया जाता है।

महिलाएं वहां तब तक रहती हैं जब तक कि बच्चे का जन्म न हो जाए और उनके शुद्धिकरण की पूरी धार्मिक प्रक्रिया खत्म न हो जाए। इस अलगाव की सबसे दर्दनाक बात यह है कि प्रसव के दौरान भी कोई सामान्य महिला या दाई उस गर्भवती स्त्री की मदद के लिए बस्लेनी के भीतर नहीं जा सकती। नियमों के मुताबिक, वहां केवल वही महिलाएं अंदर जा सकती हैं, जो खुद पहले से ही मासिक धर्म के कारण अशुद्ध घोषित होकर वहां रह रही हों।

अजीब और अमानवीयः बस्लेनी में रह रही महिलाओं को उनके परिवार के लोग भोजन और पानी तो उपलब्ध कराते हैं, लेकिन उसे देने का तरीका भी बेहद अजीब और छूआछूत से भरा होता है।

न्यूज विंडो

झाड़ियों में फंसे दो घायलों की जान बचाई, एसपी ने दिया प्रशस्ति पत्र

नर्मदापुरम। पिपरिया थाना में तैनात कार्यवाहक उपनिरीक्षक मानिक सिंह बट्टी ने 29 मई को कंटीली झाड़ियों में फंसी मोटर साइकिल और उसमें फंसे दो घायलों को जोखिम उठाकर सुरक्षित रूप से बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साईं कृष्णा ने उनके इस मानवीय और साहसिक कार्य की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उपनिरीक्षक बट्टी ग्राम खापरखेड़ा से किसी मामले की तस्दीक़ कर वापसी के दौरान ग्राम झील पिपरिया के पास मुख्य मार्ग किनारे देखा कि एक मोटरसाइकिल और उसके साथ दो व्यक्ति – कल्लू ठाकुर (38) और साबिर अली (60), दोनों निवासी खापरखेड़ा – कंटीली झाड़ियों में फंसे हुए थे और गंभीर रूप से घायल थे। स्थिति की गंभीरता को भाँपकर बट्टी ने तत्काल अपनी गाड़ी रोककर राहगीरों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को झाड़ियों से बाहर निकाला और तुरंत उन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल पिपरिया पहुँचाया। अस्पताल पहुंचने पर घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल गई, जिससे उनकी जान बच गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उपनिरीक्षक बट्टी के त्वरित निर्णय, मानवता और ड्यूटी के प्रति समर्पण ने पुलिस विभाग की छवि को उत्तम रूप से प्रस्तुत किया है। उन्होंने बट्टी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य और समर्पण के लिए बधाई दी।

पांदुर्ना के मोही घाट पर लगातार हो रहे हादसों पर अंकुश लगाने प्रशासन की संयुक्त पहल

पांढुर्णा। मध्यप्रदेश के पांढुर्णा जिले के मोही घाट क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से पहल की है। कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ और पुलिस अधीक्षक प्रकाश चंद्र परिहार के निर्देश पर खंबारा टोल नाके पर पांढुर्णा की ओर आने वाले वाहन चालकों को जागरूकता पम्फलेट वितरित किए जाएंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य चालकों को मोही घाट की खतरनाक ढलान और संभावित हादसों के प्रति सचेत करना है।

नरसिंहपुर के तेंदूखेड़ा स्थित एक टायर दुकान में अचानक भड़की आग

नरसिंहपुर। जिले के तेंदूखेड़ा में NH-45 पर स्थित क टायर दुकान में देर शाम को अचानक आग लग गई। टायरों के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे हाईवे और आसपास के रिहायशी इलाके में हड़कंप मच गया। आसमान में काले धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा रहा था।

कटनी में शहीद के माता-पिता कलेक्टर कार्यालय के सामने धरने पर बैठे

कटनी। जिले के शहीद भारतीय सेना के जवान प्रदीप पटेल के माता-पिता अपनी मांगों को लेकर कटनी कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। उनका आरोप है कि बेटे के अंतिम संस्कार के समय नेताओं ने जो वादे किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। शहीद के माता-पिता का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, वे धरने से नहीं उठेंगे।

बालाघाट के वन परिक्षेत्र में एक मादा तेंदुआ की भीषण गर्मी से हुई मौत

बालाघाट। जिले के दक्षिण लामता वन क्षेत्र के पंचेरा इलाके में एक मादा तेंदुए की मौत हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि भूख, प्यास और भीषण गर्मी (हीट स्ट्रोक) की वजह से तेंदुए ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से जंगलों में वन्यजीवों की सुरक्षा और गर्मी में उनके पानी के इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।पशु चिकित्सक डॉ. पूजा धुर्वे और डॉ. अरविंद नागेश्वर की टीम ने मृत मादा तेंदुए का पोस्टमार्टम किया। डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में साफ किया कि तेंदुए के शरीर में पानी की भारी कमी थी और उसकी मौत भूख, प्यास व अत्यधिक गर्मी के कारण हुई है।

उज्जैन में दो शातिर आरोपियों को किया गिरफ्तार

फर्जी मालिक बनकर बेच दी करोड़ों की जमीन, 35 लाख लेकर फरार हुए थे ठग

उज्जैन दोपहर मेट्रो

उज्जैन में जमीन के नाम पर ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने संपत्ति खरीद-बिक्री से जुड़े लोगों को सतर्क कर दिया है। ठगों ने खुद को जमीन का मालिक बताकर 1.39 करोड़ रुपये का सौदा कर लिया और फरियादी से 35.95 लाख रुपये ऐंठकर फरार हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस जमीन का सौदा किया गया, उसके वास्तविक मालिक को इसकी भनक तक नहीं लगी। मामले की जांच के बाद माधवनगर थाना पुलिस ने अंतरजिला ठग गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी मंगल सिंह ने फरियादी रविंद्र सिंह को ग्राम सलामता स्थित एक जमीन दिखाई और उसे खरीदने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद उसने अपने साथी भैरूसिंह को असली जमीन मालिक दिलीप सिंह बताकर रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचाया।

रजिस्ट्रार कार्यालय में भैरूसिंह ने फर्जी आधार कार्ड प्रस्तुत किया और स्वयं को जमीन का वास्तविक मालिक बताते हुए पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। आरोपी इतने शातिर तरीके से काम कर रहे थे कि फरियादी को उन पर कोई शक नहीं हुआ। ठगों के झांसे में आए फरियादी रविंद्र सिंह ने सबसे पहले 95 हजार रुपये फोन-पे के माध्यम से आरोपियों को दिए। इसके बाद जमीन का सौदा 1.39 करोड़ रुपये में तय हुआ। सौदे के तहत फरियादी ने 10 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये का चेक आरोपियों को सौंप दिया। आरोपियों ने चेक को भी सफलतापूर्वक क्लियर करवा लिया और रकम हासिल कर ली। माधवनगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर विक्रम नगर ब्रिज के पास कार्रवाई की। पुलिस ने बिना नंबर की एक सफेद स्विफ्ट कार में सवार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान भैरूसिंह निवासी माकड़ोन और मंगल सिंह निवासी रलायती के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई कई महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की है, जिनके आधार पर ठगी के नेटवर्क और अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

असली मालिक से मुलाकात के बाद खुली ठगी की पोल

मामले का खुलासा तब हुआ जब फरियादी जमीन का निरीक्षण करने पहुंचा और उसकी मुलाकात वास्तविक जमीन मालिक दिलीप सिंह से हो गई। फरियादी ने जब उन्हें पूरी जानकारी दी और फोटो दिखाए, तब असली मालिक ने साफ कहा कि उन्होंने किसी को जमीन नहीं बेची है और फोटो में दिख रहे व्यक्ति को वह पहचानते तक नहीं हैं। इसके बाद फरियादी को ठगी का अहसास हुआ और मामले की शिकायत पुलिस से की गई।

विधायक की अध्यक्षता में व्यापारी महासंघ की बैठक में समस्याओं पर की चर्चा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत कार्यालय में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा जी की अध्यक्षता में व्यापारी महासंघ की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान व्यापारीगणों द्वारा अपनी समस्याएं बताई गई तथा उनके उचित समाधान की बात कहीं गई। बैठक में व्यापारी महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पत्रकार राजू जमनानी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि पहले एक पीला पट्टा खींचा गया था। वैसा ही पट्टा खींचा जाए और जो भी दुकानदार पट्टे के बाहर सामान रखे उस पर 2500 रुपए का जुर्माना किया जाए। बैठक में व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे, नपा में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, व्यवसायी राम नवलानी, राजकुमार चौकसे, मनोहर बड़ानी व व्यापारीगण उपस्थित रहे।

तीन चोरों को शक के आधार पर पकड़ कर लोगों ने पीटा

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

बरेला थाना क्षेत्र स्थित सिग्मा कान्हा सिटी कॉलोनी में मंगलवार तड़के चोरी के शक में पकड़े गए तीन युवकों की स्थानीय लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में लिया। घायल युवकों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

कुआं धंसा, मलबे में कई दबे, रेस्क्यू चलाकर निकाला

सिवनी। दोपहर मेट्रो

सिवनी में तराई के दौरान नए बने कुएं की रिंग और दीवार धंस गई। मलबे में नानी, मां और बेटी दब गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुटे। 75 वर्षीय समानिया बाई जंघेला को निकाल लिया। अनुसुइया जंघेला (41) और उसकी बेटी स्वाति जंघेला (17) मलबे में दबे रहे।देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में टीम ने कुएं से दोनों शव बरामद कर पुलिस को सौंप दिए।

जियो-टैगिंग आधारित गिरदावरी के विरोध में पटवारी संघ ने मोर्चा खोला, मांगें नहीं मानीं तो दिया प्रदेशव्यापी हड़ताल का संकेत

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले के पटवारी संघ ने जिले में मूंग फसल की जियो-टैगिंग आधारित गिरदावरी प्रक्रिया के खिलाफ सोमवार को उग्र रुख अपना लिया। प्रांतीय पटवारी संघ ने अपर कलेक्टर अनिल जैन को कमिश्नर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए जियो-टैगिंग की अनिवार्यता तत्काल समाप्त करने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे मध्य प्रदेश में काम बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र सोलंकी ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के तहत पटवारियों को प्रत्येक खेत पर जाकर लाइव फोटो और लोकेशन अपलोड करनी पड़ रही है, जो व्यावहारिक रूप से मुश्किल और समयसाध्य है। सोलंकी ने कहा कि सिवनी मलवा जैसे कुछ क्षेत्रों में मूंग की फसल कट चुकी है, जिससे यह प्रक्रिया और भी जटिल हो गई है और कई खेतों में गिरदावरी का सही समय बर्बाद हो रहा है। सोलंकी ने यह भी बताया कि मूंग पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून तय है जबकि गिरदावरी 5 जुलाई तक चली रहेगी, जिस कारण कई किसान लाभ से वंचित रह सकते हैं। उनकी प्रमुख मांगों में शामिल हैं- जियो-टैगिंग की अनिवार्यता समाप्त करना; लाइव फोटो अपलोड करने के नियम में तुरंत बदलाव करना; सर्वेयरों की आईडी बहाल करना और प्रशिक्षित सर्वेयरों को फिर से तैनात करना; मोबाइल ऐप में गिरदावरी की सीमा केवल ग्राम के भीतर ही तय करने का प्रावधान लागू करना। ज्ञापन सौंपने के मौके पर देवेंद्र खण्डेरिया, विपिन माछीवाल और मुकेश गौर सहित कई पटवारी उपस्थित थे

सिंहस्थ-2028 की तैयारियां तेज की; 70 सुरक्षा कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आगामी सिंहस्थ-2028 को सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के मद्देनजर नर्मदापुरम पुलिस प्रशासन ने तैयारियाँ तेज कर दी हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक नर्मदापुरम वीरेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा की उपस्थिति में जिले में 70 सुरक्षा कर्मियों व नगर रक्षकों का प्रथम प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र में डीआईजी वीरेंद्र सिंह ने जवानों को अपने अनुभवों के आधार पर मार्गदर्शन दिया तथा प्रशिक्षणार्थियों के रुकने व भोजन की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा ने प्रशिक्षण की रूप-रेखा और सत्र के कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल और सुबेदार सूरज जमरा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण उज्जैन से आए मास्टर ट्रेनर द्वारा कराया जा रहा है। प्रथम सत्र में कुल 70 प्रतिभागियों को विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे सिंहस्थ के दौरान आने वाली आपात परिस्थितियों और भारी भीड़ का व्यवस्थित प्रबंधन कर सकें। यह प्रशिक्षण सत्र प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा और जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सिंहस्थ-2028 हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। इस ट्रेनिंग में जिला पुलिस बल , विशेष सशस्त्र बल , होमगार्ड और ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार, भीड़ प्रबंधन, सुगम यातायात व्यवस्था तथा आपातकालीन राहत एवं बचाव कार्यों की बारीकियाँ सिखायी गयीं। ग्राम रक्षा समिति व होमगार्ड की भागीदारी से जमीनी स्तर पर सूचना तंत्र और सुरक्षा ग्रिड और भी मजबूत होगा।

नर्मदापुरम पुलिस की अनूठी पहल

सुर से सेवा तक– युवाओं को पुलिस बैंड भर्ती के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से नर्मदापुरम पुलिस ने सुर से सेवा तक नामक विशेष अभियान शुरू किया है। आगामी पुलिस बैंड भर्ती को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहे इस अभियान के तहत जिले के इच्छुक युवाओं को विभिन्न वाद्य यंत्रों का पूर्णतः निशुल्क और गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण सत्र में पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साईं कृष्णा (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, एसडीओपी जितेंद्र पाठक व रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। मौके पर पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा ने कहा कि ÷सुर से सेवा तक÷ केवल संगीत सीखने का मंच नहीं है, बल्कि यह अनुशासन और देश सेवा के मार्ग पर युवाओं को तैयार करने का माध्यम भी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन और एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने भी प्रशिक्षुओं को कड़ी मेहनत करने और आगामी भर्ती परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर और प्रशिक्षकों के समन्वय का परिचय दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को शारीरिक और तकनीकी रूप से पुलिस बैंड भर्ती के मानकों के अनुरूप तैयार करना है। अनुभवी प्रशिक्षक सुर, ताल और विभिन्न वाद्य यंत्रों–जैसे बिगुल, ड्रम और ब्रास बैंड–का निशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। कार्यक्रम में संगीत के माध्यम से अनुशासन, टीम वर्क और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। नर्मदापुरम पुलिस का यह कदम न केवल कला और संस्कृति को प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि जिले के युवा प्रतिभाओं को स्थिर करियर व उज्जवल भविष्य की ओर मार्गदर्शित कर रहा है। जांच-परख और चयन प्रक्रिया से पहले आयोजित यह निशुल्क प्रशिक्षण स्थानीय युवाओं के लिए पुलिस बैंड में स्थान पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

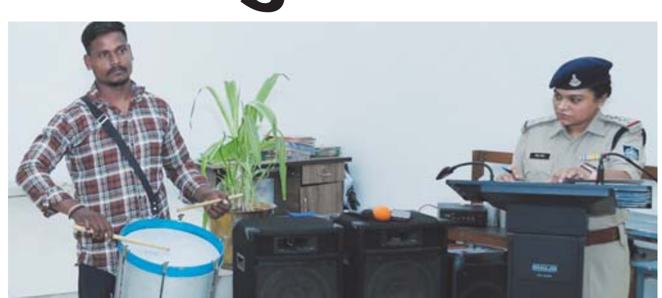

मेट्रो एंकर

भारतीय संस्कृति में संस्कृत का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

संस्कृत के बिना भारतीय संस्कृति को समझना संभव नहीं: शास्त्री

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

बालाजी नगर स्थित विश्व हिन्दू परिषद के जिला कार्यालय अशोक भवन में भारतीय संस्कृति में संस्कृत का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान राम दरबार की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वस्तिवाचन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता पंडित मुन्नालाल शास्त्री ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी और देवभाषा है।

हमारे अधिकांश धार्मिक ग्रंथ संस्कृत में रचित हैं, इसलिए भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सही रूप में जानने एवं समझने के लिए संस्कृत का अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल पढ़ने तक सीमित न रखकर जीवन के आचरण में भी उतारना चाहिए। जिला मंत्री अभिषेक शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें संस्कृत में निहित हैं। प्राचीन काल की गुरुकुल व्यवस्था में विद्यार्थियों को संस्कृत के माध्यम से संस्कारित शिक्षा प्रदान की जाती थी। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के प्रभाव से संस्कार आधारित शिक्षा का स्वरूप कमजोर हुआ है, जिसे पुनः सशक्त करने की आवश्यकता है। निजी स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष नीलेश चतुर्वेदी ने कहा कि संस्कृत देवभाषा है और ईश्वर की उपासना एवं प्रार्थना में इसका प्रयोग विशेष महत्व रखता है। वहीं पंडित अभिषेक दुबे ने कहा कि भारत की मूल संस्कृति और ज्ञान परंपरा हमारे संस्कृत ग्रंथों में सुरक्षित है, इसलिए संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य है। संगोष्ठी में पंडित पुरुषोत्तम भार्गव, रामनारायण नरवरिया, काजल शर्मा, रितिका ओझा, अंकित चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी, अखिलेश तिवारी, विहिप नगराध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, शुभम दुबे एवं ममता साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जिला वेद एवं संस्कृत आयाम प्रमुख शिवोम तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नगर मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख नितिन भाटे ने किया।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की दो ग्राम पंचायत का मामला समनापुर ग्राम पंचायत में भुगतान अधिकारियों द्वारा जांच की मांग

स्टॉप डैम निर्माण में गड़बड़ी के आरोप, फर्जी बिलों पर मुरम परिवहन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार और गड़बड़ियां थमने का नाम नहीं ले रही है कहीं भी घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है तो कहीं भी फर्जी बिल लगाकर मुरम खरीदी की जा रही है जबकि ब्लॉक में कहीं भी मुरम पत्थर आदि खदान नहीं है तो दूसरों निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है मामला तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत समनापुर और भैंसा ग्राम पंचायत से सामने आया है जहां से सरपंच सचिव और सहायक सचिव द्वारा जमकर गड़बड़ियां की जा रही है लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

ग्राम पंचायत समनापुर में लाखों रुपए की लागत से श्रीवेयर हाऊस के पीछे नदी में ग्राम पंचायत द्वारा स्टाफ डेम का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जहां सरपंच सचिव द्वारा जमकर गड़बड़ी की जा रही है लोगों ने अनियमितता के आरोप लगाए हैं यहां पर

एस्टीमेट के मुताबिक कार्य नहीं किया गया है डेम निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का भी पालन नहीं किया गया है आरोप है कि सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया है डेम निर्माण कार्य में तय गुणवत्ता का बिलकुल भी ध्यान नहीं रखा गया है यहां पर हिरन नदी रेत व घटिया गिट्टी का उपयोग किया गया है ना ही डेम निर्माण में लोहे डाला गया है निर्माण में मानक के अनुसार सामग्री नहीं लगने की बात सामने आई है आरोप है कि तकनीकी के अनुसार ज्यादा मजबूत तय गुणवत्ता की सामग्री लगनी चाहिए थी लेकिन निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दे रहे।

भैंसा ग्राम पंचायत में मुरम के नाम पर निकाली राशि

मृत लोगों का अंतिम संस्कार उनके परिजन अच्छे से कर सकें इसके लिए सरकार द्वारा शांतिधाम योजना के तहत सभी ग्राम पंचायतों में मुक्तिधाम का निर्माण कार्य व जीर्णोद्धार कराया जा रहा है लेकिन इस योजना में सरपंच सचिव और अधिकारियों द्वारा जमकर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की जा रही है ऐसा ही मामला तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भैंसा के आश्रित ग्राम मझगुवा से सामने आया है जहां से 3 लाख से अधिक की लागत से मुक्तिधाम का कार्य कराया जा रहा है लेकिन यहां पर मौके पर राशि निकलने के बाद भी काम अधूरा पड़ा हुआ है जबकि लाखों रुपए की राशि निकालने बाद भी मौके पर निर्माण सामग्री ना के बराबर है यहां पर सरपंच सचिव व ठेकेदार द्वारा फर्जी बिलों को लगाकर राशि आहरण की जा रही है भैंसा ग्राम पंचायत द्वारा में मातृभूमि ट्रेडर्स के नाम पर राशि निकाली गई है जिसमें 14 हजार 800 रुपए लोहे के गेट के नाम 9000 हजार रुपए 18 ट्राली मुरम परिवहन के नाम 6000 हजार 20 बोरी सीमेंट के नाम जबकि मौके पर एक भी ट्राली मुरम नहीं है ना कि क्षेत्र में कहीं भी मुरम की खदान उपलब्ध है उसके बाद भी सप्लायर मुरम खरीदी का परिवहन खुलेआम कर रहे हैं साथ ही मझगुवा गांव के लोगों का आरोप है कि मुक्तिधाम में बनाए गए चबूतरा निर्माण के लिए बाजू से ही मुरम खोदी गई है उसके बाद भी हजारों रुपए की मुरम खरीदी कर ली गई इसके अलावा 19500 रुपए के पेबर ब्लाक खरीदे गए हैं। 78,148 रुपए में रेत गिट्टी सीमेंट डस्ट सरिया आदि शामिल हैं गांव के लोगों का आरोप है बीते दिनों नाली का निर्माण कार्य कराया गया है जिसमें तकनीकी मानकों का बिलकुल भी ध्यान नहीं रखा गया है न कि एस्टीमेट के अनुसार नाली का निर्माण कराया गया है।

न्यूज विंडो

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर युवाओं का उन्मुखीकरण

नरसिंहपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन के सहयोग से सेतु संस्था नरसिंहपुर द्वारा ठाकुर निरंजन सिंह आई टी आई संस्थान में युवाओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेतु संस्था सचिव सुमित दुबे ने तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू करने के बारे में बताया।उन्होंने कहा इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम ÷नोकोटिन और तंबाकू की लत के दुष्चक्र को तोड़ना÷रखी गई है। तंबाकू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास में युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होना होगा तभी हम समाज को तंबाकू मुक्त बना सकते है। आई टी आई संचालक राकेश राजपूत ने कहा जैसा कि महात्मा गांधी कहते थे, वास्तविक धन स्वास्थ्य है, न कि सोना-चांदी। आइए हम अपने स्वास्थ्य को सर्वोपरि प्राथमिकता दें और तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में कार्य करें। अगले सत्र में मध्यप्रदेश वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन द्वारा निर्मित आई ई सी सामग्री का वितरण कर उस पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्था स्टाफ व युवा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कोतमा थाने में खनिज चोरों का दबदबा, डंपर छोड़ने पर उठे सवाल

अनूपपुर। जिले के कोतमा क्षेत्र में खनिज चोरी को लेकर एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार रात लगभग 8 बजे एक डंपर को कार्रवाई के लिए कोतमा थाने लाया गया था। बताया जा रहा है कि उक्त डंपर से वार्ड क्रमांक 8 में कुछ खनिज पदार्थ भी उतारे गए थे। इसी बीच कुछ समय बाद एक ऐसे कथित खनिज चोर के थाने पहुंचने की चर्चा सामने आई, जिसका कुछ समय पूर्व खनिज चोरी करते हुए वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसके थाने पहुंचने के बाद संबंधित डंपर को बिना किसी ठोस कानूनी कार्रवाई के छोड़ दिया गया। यदि वाहन खनिज संबंधी अनियमितता या जांच के चलते थाने लाया गया था, तो फिर उसे किन आधारों पर छोड़ा गया। क्या वाहन के दस्तावेजों और खनिज परिवहन की वैधता की जांच की गई थी या फिर प्रभाव के चलते कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज है। लोगों का कहना है कि यदि खनिज चोरी के मामलों में संलिप्त लोगों के पहुंचते ही कार्रवाई प्रभावित होने लगे, तो यह कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सख्ती दोनों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

संदिग्ध अवस्था में युवक का शव मिलने से फैली सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र अंतर्गत पाटन -जबलपुर मार्ग पर ग्राम नरगुँवा के समीप स्थित चौधरी वेयर हाउस के सामने सड़क किनारे झाड़ियों में एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह लगभग 6 बजे राहगीरों ने सड़क किनारे झाड़ियों में एक युवक का शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एएसआई गजराज सिंह ठाक एवं पुलिस बल मौके पर पहुंचा। जांच के दौरान शव की पहचान थाना क्षेत्र के ग्राम सांगा निवासी अजमेर उर्फ खिल्लू पिता सीताराम आदिवासी लगभग 35 वर्ष के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार मृतक रविवार दोपहर घर से निकला था और रातभर घर नहीं लौटा। मृतक की मां आनंद रानी ने बताया कि उनका बेटा एक अन्य युवक को छोड़ने पाटन की ओर गया था, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। रातभर रिश्तेदारों एवं परिचितों के यहां तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह पुलिस द्वारा शव मिलने की सूचना दी गई। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे घटना को लेकर विभिन्न आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शव के पास बड़े वाहन के टायरों के निशान मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना की संभावना भी जताई जा रही है।

हैदराबाद के भाग्यनगर से विधायक टी राजा सिंह तीसरी बार पहुंचे भोजशाला

भोजशाला कॉरिडोर बनाने से पहले परिसर से कलंक मिटाए सरकार : टी राजा सिंह

धार। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन ऐतिहासिक धार की भोजशाला में इन दिनों प्रतिदिन देश के कोने-कोने से दर्शनार्थियों, जनप्रतिनिधियों और संतों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को हैदराबाद के भाग्यनगर से विधायक और प्रखर हिंदू नेता टी राजा सिंह तीसरी बार भोजशाला पहुंचे। भोजशाला आगमन पर उपस्थित समर्थकों और हिंदू समाज के लोगों ने आतिशबाजी करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मां वाग्देवी के चित्र का विधि-विधान से पूजन कर महाआरती में भाग लिया और परिसर का अवलोकन किया।

भोजशाला परिसर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक टी राजा सिंह भावुक आए। उन्होंने कहा, पहले जब भी मैं इस प्राचीन भोजशाला मंदिर के दर्शन करने आता था, तो मन में एक गहरा दर्द लेकर जाता था। हमारे प्राचीन मंदिरों को खंडित करके जिस प्रकार से अतिक्रमण लैंड जिहाद किया गया, दरगाहें और मस्जिदें बनाई गईं, वह देखना पीड़ादायक था। पूर्व में हर शुक्रवार को हिंदुओं का प्रवेश वर्जित देखकर दुख होता था। लेकिन मंदिर समिति के सौ वर्षों के कड़े संघर्ष और कानूनी लड़ाई के बाद आज स्थितियां बदली हैं। आज यहां का माहौल देखकर मन को अत्यंत प्रसन्नता हुई है। मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक टी राजा सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोजशाला में भव्य कॉरिडोर बनाने की घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया। लेकिन मेरा उनसे निवेदन है कि कॉरिडोर बनाने से पहले जो परिसर के बाहर अतिक्रमण का कलंक अभी भी वहां लगा हुआ है, उसे तुरंत मुक्त करवाएं।

उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, यूपी में योगी आदित्यनाथ जी बिना किसी नोटिस के लैंड जिहादियों के खिलाफ सीधे बुलडोजर चलाकर जमीन को मुक्त करा देते हैं और इतिहास लिखते हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के पास भी मध्य प्रदेश में ऐसा ही इतिहास लिखने का यह बड़ा अवसर है। कोर्ट का केस अपनी जगह चलता रहेगा, लेकिन प्रशासन को तत्परता दिखाकर बचे हुए अतिक्रमण को पूरी तरह साफ करना चाहिए ताकि भव्य कॉरिडोर का निर्माण हो सके। टी राजा सिंह ने भोजशाला के भविष्य को लेकर कहा कि जब से देश के हिंदुओं को यह ज्ञात हुआ है कि भोजशाला में स्थितियां उनके अनुकूल हुई हैं, तब से केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मेरे गृह राज्य तेलंगाना समेत पूरे देश से लाखों लोग यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। आने वाले समय में यह स्थान देश का एक बहुत बड़ा धार्मिक पर्यटन हब बन सकता है।

लंदन से वापस आए मां वाग्देवी की मूल प्रतिमा

विधायक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से विशेष आग्रह किया कि वे केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस विषय पर सीधे चर्चा करें। उन्होंने कहा, लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में हमारी मां सरस्वती वाग्देवी की जो मूल प्रतिमा वर्तमान में कैद है, उसे कूटनीतिक प्रयासों से जल्द से जल्द भारत वापस लाया जाए और पूरे राजकीय सम्मान के साथ भोजशाला के गर्भगृह में भव्य रूप से स्थापित किया जाए।

अयोध्या के बाद अब काशी -मथुरा की बारी - धैर्य रखें

अपने संबोधन के समापन पर टी राजा सिंह ने राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि जिस प्रकार 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद आज अयोध्या में आसमान को छूने वाला भव्य राम मंदिर आकार ले चुका है, उसी प्रकार हिंदुओं को दूसरी बड़ी विजय भोजशाला के रूप में मिली है। उन्होंने देश के हिंदू समाज से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा, अभी हमें दो और बड़ी विजय मिलने वाली हैं काशी और मथुरा। हिंदू समाज थोड़ा धैर्य रखे, देश के जितने भी मठ-मंदिरों पर अतिक्रमण हुआ है, आने वाले समय में उन सभी पर न्याय होगा और सनातन का भगवा झंडा शान से लहराएगा।

टेलीग्राम लिंक से घर बैठे कमाई का झांसा

युवक से 3.45 लाख की सायबर ठगी

धार। दोपहर मेट्रो

डिजिटल क्रांति के इस दौर में सायबर अपराधी मासूम लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाने के लिए नए-नए पैंतरे अपना रहे हैं। ऐसा ही बड़ा मामला ग्राम उटावद से सामने आया है, जहाँ एक अज्ञात शातिर ठग ने टेलीग्राम लिंक के जरिए एक युवक की जीवनभर की जमा-पूंजी पर साफ हाथ साफ कर दिया। ठग ने युवक को घर बैठे निवेश कर बड़ा मुनाफा कमाने का लालच दिया था। पुलिस ने सायबर शाखा की जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यह घटना ग्राम उटावद निवासी 28 वर्षीय चिंटू (पिता बंशीलाल नायक) के साथ घटित हुई। 23 मई की रात करीब 12ः00 बजे अज्ञात आरोपी ने फरियादी चिंटू से टेलीग्राम ऐप के माध्यम से संपर्क साधा। आरोपी ने चिंटू को बेहद कम समय और बिना मेहनत के घर बैठे निवेश कर बड़ा मुनाफा (प्रॉफ़िट) कमाने का चमचमाता हुआ सपना दिखाया। फरियादी का विश्वास जीतने के लिए ठग ने उसे एक विशेष लिंक भेजी। लिंक पर क्लिक करवाकर आरोपी ने चिंटू की एक 'प्रॉफ़िट आईडी और पासवर्ड' जनरेट करवा दिया। इसके बाद, ज्यादा मुनाफे का लालच देकर शातिर ठग ने फरियादी से अलग-अलग किस्तों में कुल 3,45,839 रुपये उस फर्जी लिंक के जरिए जमा करवा लिए। शुरुआत में आईडी पर फर्जी मुनाफा दिखने के कारण फरियादी पैसे लगाता गया। लेकिन जब चिंटू ने अपनी रकम वापस निकालनी चाही, तो वह राशि विड्रॉ नहीं हुई। जब तक चिंटू को रकम डूबने का अहसास हुआ, तब तक वह सायबर ठगी का शिकार हो चुका था। घटना के तुरंत बाद पीड़ित युवक ने इसकी शिकायत सायबर शाखा में ऑनलाइन दर्ज कराई थी। सायबर शाखा द्वारा मामले की प्राथमिक जांच करने और तकनीकी रिपोर्ट सौंपने के बाद, थाना नौगाँव पुलिस ने आवेदक के बयानों के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सीसीटीवी कैमरों और पुलिस की सतर्कता से खोज लिया कीमती जेवर व नकदी से भरा बैग

सागर। दोपहर मेट्रो

एक लाख से अधिक क़ीमती जेवर व नकद राशि से भरा लेडीज बैग को पुलिस ने कंट्रोल रूम तथा स्मार्ट सीसीटीवी के जरिए महज तीन घंटे की मशक्कत के बाद खोज निकाला. दरअसल निधि कुर्मी निवासी ग्राम रजवास, तहसील रहली अपने परिवार के साथ बस स्टैंड जाने के लिए परकोटा स्थित एचडीएफसी बैंक के समीप एक ऑटो में बैठी थीं। इस दौरान उन्होंने अपना बैग ऑटो में रख दिया था, जिसमे सोने की अंगूठी, सोने के कान के आभूषण तथा 4 हज़ार रुपये नगद रखे हुए थे। बच्चों को बैठाने के बाद परिवार द्वारा पैदल बस स्टैंड जाने का निर्णय लिया गया और जल्दबाजी में बैग ऑटो में ही छूट गया। कुछ समय बाद बैग गुम होने का पता चलने पर महिला ने सहायता के लिए पुलिस से संपर्क किया। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा महिला एवं उनके

परिजनों को तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम भेजा. घटनाक्रम से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा को अवगत कराया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी पुलिस कंट्रोल रूम उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान को उपलब्ध सभी तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए ऑटो एवं गुम हुए बैग का पता लगाने के लिए निर्देशित किया. निर्देश प्राप्त होते ही पुलिस कंट्रोल रूम की सीसीटीवी टीम सक्रिय हो गई। उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान के नेतृत्व में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक रूद्रेश एवं आरक्षक नितेश द्वारा शहर के विभिन्न सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से परीक्षण प्रारंभ किया गया। लगभग 3 घंटे तक लगातार सैकड़ों कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद संबंधित ऑटो को विभिन्न स्थानों पर चिन्हित किया गया। हालांकि ऑटो का पंजीयन क्रमांक पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो सका और केवल अंतिम चार अंक ही दिखाई दिए, फिर भी टीम ने हार नहीं मानी और स्मार्ट सिटी कैमरों सहित अन्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से वाहन की पहचान के प्रयास जारी रखे। जब तकनीकी माध्यमों से वाहन का पूर्ण नंबर प्राप्त नहीं हो सका, तब कंट्रोल रूम द्वारा ऑटो का फोटो एवं उपलब्ध विवरण विभिन्न पुलिस ग्रुप, मीडिया ग्रुप एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया।

मेट्रो एंकर

भागवत कथा का द्वितीय दिन, भजनों पर झूमीं मातृशक्तियां

धुंधकारी-गोकर्ण प्रसंग और राजा परीक्षित के जन्म की सुनाई कथा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में समस्त मातृशक्ति संगठन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। भीषण गर्मी के बावजूद कथा श्रवण के लिए नगर की मातृशक्तियां और धर्मप्रेमी बंधु समय से पूर्व ही पंडाल में एकत्रित हो गए। समूचा परिसर भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों और भक्तिमय भजनों से गुंजायमान रहा। कथा के द्वितीय दिन व्यास पीठ का पूजन कर सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने संगीतमयी वाणी में कथा का विस्तार किया। उन्होंने सर्वप्रथम देवी भक्ति और उनके दो पुत्रों–ज्ञान व वैराग्य के सुंदर प्रसंग का वर्णन किया। महाराज जी ने मर्मस्पर्शी ढंग से समझाया कि जब समाज में भक्ति क्षीण होने लगती है, तो ज्ञान और वैराग्य भी मूर्छित हो जाते हैं। श्रीमद्भागवत कथा ही वह माध्यम है जो कलियुग में

मूर्छित पड़े ज्ञान और वैराग्य को पुनः जाग्रत कर मानव को ईश्वर की ओर ले जाती है।

इसके पश्चात महाराज जी ने आत्मदेव नामक ब्राह्मण और उनकी पत्नी धुंधली की कथा के साथ ही उनके पुत्रों धुंधकारी और गोकर्ण के चरित्र का सजीव वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कुसंस्कारों के कारण धुंधकारी महापापी बना और प्रेत योनि को प्राप्त हुआ, जबकि ज्ञानी भाई गोकर्ण ने श्रीमद्भागवत महापुराण का श्रवण कराकर गया जी में उसका उद्धार किया। इस प्रसंग के माध्यम से महाराज जी ने उपस्थित मातृशक्ति और पालकों को विशेष संदेश देते हुए कहा कि बच्चों को केवल भौतिक सुख-सुविधाएं देना ही पर्याप्त नहीं है, उन्हें सनातन संस्कृति और नैतिक मूल्यों के संस्कार देना सबसे बड़ी आवश्यकता है। अच्छे संस्कारों के बिना परिवार का पतन निश्चित है। द्वितीय दिन की कथा के अंतिम सत्र में महाराज जी ने द्वापर युग के अंत, पांडवों के महाप्रयाण और राजा परीक्षित के जन्म का प्रसंग विस्तार से सुनाया। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गर्भ में परीक्षित की रक्षा और उनके जन्म की कथा सुनते ही पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस दौरान सुंदर भजनों की प्रस्तुति पर पंडाल में उपस्थित मातृशक्तियां भावपूर्ण नृत्य करने लगीं। आयोजन समिति समस्त मातृशक्ति संगठन की सदस्यों ने बताया कि कथा में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए पंडाल में कूलिंग सिस्टम और शीतल पेयजल की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया है ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो। आयोजन समिति ने नगरवासियों से कल की कथा में भी इसी तरह सपरिवार सम्मिलित होने का आग्रह किया है। कल, कथा के तृतीय दिन सृष्टि की उत्पत्ति, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र और जड़ भरत चरित्र जैसे महान भक्तों के दिव्य प्रसंगों का वाचन की कथा तथा भगवान शिव पार्वती विवाह श्रद्धेय महाराज जी द्वारा करवाया जाएगा।

अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

10 स्वर्ण समेत 19 पदक दिखा भारतीय युवाओं का दम; पीएम ने दी बधाई

सिंगापुर । भारत ने 22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19 पदक अपने नाम किए। भारतीय दल ने 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। मेजबान चीन 25 पदकों और 14 स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि जापान 18 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन की देशभर में सराहना हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर भारतीय दल को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा, %22वीं एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण सहित 19 पदक जीतने के लिए भारतीय दल को बधाई। यह शानदार प्रदर्शन हमारे युवा एथलीटों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। मुझे उम्मीद है कि उनकी ये उपलब्धियां आने वाले वर्षों में और अधिक युवा भारतीयों को खेलों की ओर प्रेरित करेंगी।% प्रधानमंत्री के इस संदेश को भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

आखिरी दिन भारत ने जीते तीन स्वर्ण पदक- चैंपियनशिप के अंतिम दिन भारत ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। सबसे यादगार प्रदर्शन महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने किया। नीरू पाठक, भूमिका संजय नेहते, तहूरा खातून और सेहनूर बावा की चौकड़ी ने 3¬38.07 सेकेंड का समय निकालते हुए नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन प्रतियोगिता के सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल रहा। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में मुस्कान ने 16¬53.08 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, वेंकटराम रेड्डी मोगली ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1¬48.27 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रिकॉर्ड भी बने, पदक भी आए

फील्ड इवेंट्स में निश्चय ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में 60.10 मीटर का थ्रो कर रजत पदक जीता। यह नया भारतीय अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। इसके साथ ही वह इस वर्ग में 60 मीटर की दूरी पार करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। महिलाओं की 4×100 मीटर रिले टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती और निपम ने 45.05 सेकेंड का समय निकालकर भारत को दूसरा स्थान दिलाया।

भविष्य के सितारों ने दिखाई ताकत

इस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने न सिर्फ पदक जीते, बल्कि कई राष्ट्रीय और चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बनाए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय एथलेटिक्स की नई पीढ़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश भी इसी विश्वास को मजबूत करता है कि भारत के युवा खिलाड़ी आने वाले वर्षों में विश्व स्तर पर देश का नाम और ऊंचा करेंगे।

...जब विराट से मिले वैभव सूर्यवंशी!

पहले किया नमस्ते फिर हुआ हैंडशेक, किंग ने कंधे पर हाथ रख की तारीफ, आ गई चेहरे पर मुस्कान

अहमदाबाद , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का फाइनल खत्म हो चुका था। गुजरात टाइटन्स को हराकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लगातार दूसरी बार चैम्पियन बन चुकी थी। स्टेडियम आतिशबाजी और जश्न में डूबा हुआ था, लेकिन उसी शोर के बीच एक ऐसा पल सामने आया जिसने करोड़ों क्रिकेट फैन्स का दिल जीत लिया। एक तरफ थे भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली, जिसने आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैम्पियन बनाने में अहम किरदार निभाया। दूसरी तरफ थे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी- वो लड़का जिसने पूरे आईपएल 2026 को अपनी बल्लेबाजी से हिला दिया।आरसीबी की जीत के बाद विराट कोहली खुद वैभव सूर्यवंशी के पास पहुंचे।

वैभव सूर्यवंशी ने विराट कोहली को नमस्ते किया। कोहली ने भी इस युवा स्टार के कंधे पर हाथ रखा और कुछ बातचीत हुई। दोनों के चेहरे पर मुस्कुराहटें दिखीं और कैमरों ने उस पल को कैद कर लिया। कुछ ही मिनटों में यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। यह सिर्फ दो खिलाड़ियों की मुलाकात नहीं थी- यह भारतीय क्रिकेट के वर्तमान और भविष्य का आमना-सामना था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के फाइनल में आरसीबी ने गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस मुकाबले का विनिंग सिक्स विराट कोहली के बल्ले से निकला। जैसे ही गेंद बाउंड्री पार गई, आरसीबी के खिलाड़ी पूरी तरह जश्न में शरीक हो गए।

वैभव के बल्ले से जमकर बरसे छक्के

महज 15 साल की उम्र में वैभव ने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। उन्होंने 776 रन बनाए, 72 छक्के उड़ाए और कई रिकॉर्ड तोड़ डाले। पूरे सीजन गेंदबाज उनके सामने बेबस नजर आए। अवॉर्ड सेरेमनी में भी वैभव का जलवा साफ दिखा। उन्होंने 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन', 'सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन', 'मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर' और ऑरेंज कैप समेत कुल 5 बड़े अवॉर्ड अपने नाम किए। जब वैभव सूर्यवंशी एक-एक कर अवॉर्ड जीत रहे थे, तब पूरा स्टेडियम तालियां बजा रहा था। फिर विराट कोहली का उनके पास जाकर बधाई देना उस रात का सबसे खास दृश्य बन गया। यह तस्वीर इसलिए भी भावुक कर देने वाली थी क्योंकि कभी विराट भी इसी तरह युवा उम्र में भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा बनकर उभरे थे। अब वही विराट शायद भारतीय क्रिकेट के अगले सुपरस्टार को सामने खड़ा देख रहे थे। फाइनल में गुजरात टाइटन्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 155/8 का स्कोर बनाया था, लेकिन आरसीबी के गेंदबाजों ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। जवाब में आरसीबी ने सिर्फ 18 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतकर आईपीएल में अपनी नई बादशाहत कायम कर दी। ट्रॉफी, छक्कों और जश्न के बीच आईपीएल 2026 की सबसे यादगार तस्वीर शायद वही रहेगी- विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी की मुस्कुराती हुई मुलाकात।

अवॉर्ड्स की बारिश में नहाए वैभव सूर्यवंशी

आईपीएल 2026 वैभव सूर्यवंशी के लिए सपनों जैसा रहा। सीजन खत्म होने के बाद आयोजित अवॉर्ड समारोह में भी उनका दबदबा देखने को मिला। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने कुल पांच बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार अपने नाम किए। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट (मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर) चुना गया। इसके अलावा उन्होंने ऑरेंज कैप, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन जैसे प्रतिष्ठित सम्मान भी हासिल किए। इन पुरस्कारों के जरिए उन्हें कुल 45 लाख रुपये की इनामी राशि मिली, जबकि सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन बनने पर उन्हें पुरस्कार स्वरूप टाटा सिएरा कार भी प्रदान की गई।

वैभव को मिले कौन से अवॉर्ड्स

अवॉर्ड	राशि मिली
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन	कार
सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये
ऑरेंज कैप	10 लाख रुपये
मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर ऑफ द सीजन	15 लाख रुपये

श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, हेटमायर की वापसी

एंटीगुआ, एजेंसी

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज़ में नहीं खेल पाए थे। जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क

में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं।

निडर और मजबूत पहचान बनाना चाहती है टीम

सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है। 3, 6 और 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों के बाद दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी, जिसके बाद एंटीगुआ में दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत, गुकेश-दिव्या हारे

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही।

एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।वहीं,

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की। छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

किचन में लाश' से लेकर 'कांड' तक: माधुरी दीक्षित की फिल्म ने बढ़ाया सस्पेंस, लगा हंसी का तड़का

नई दिल्ली। धक-धक गर्ल के नाम से मशहूर बालीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इन दिनों अपनी आगामी क्राइम-कॉमेडी फिल्म मां बहन को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अपनी को-एक्टर्स तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा के साथ हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत की, जिसमें हंसी-मजाक का माहौल देखने को मिला।

एक इंटरव्यू के दौरान जब तीनों से पूछा गया कि अगर फिल्म की कहानी दिल्ली में सेट होती तो सबसे ज्यादा ÷कांड÷ कौन करता, तो माधुरी दीक्षित ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि शायद तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा उनसे ज्यादा ÷कांड÷ कर सकती हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि दोनों कलाकार दिल्ली से जुड़ी हुई हैं, इसलिए उन्हें यहां के माहौल की बेहतर समझ है, जबकि वह खुद इस तरह के ÷कांड÷ से थोड़ी दूर रहेंगी। इस सवाल पर तृप्ति डिमरी ने भी अपनी राय रखी और कहा कि फिल्म के तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं। उनके मुताबिक किसी एक को ज्यादा शरारती या जिम्मेदार नहीं कहा जा सकता, क्योंकि हर किरदार हालात के हिसाब से प्रतिक्रिया देता है। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है जो पहले से ही उलझा और बिखरा हुआ है। कहानी की मुख्य पात्र रेखा है, जो अपनी जिम्मेदारियों और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही होती है।

कॉमेडी, क्राइम और ड्रामा का तड़का

मेकर्स के अनुसार, फिल्म में कॉमेडी और सस्पेंस को संतुलित तरीके से दिखाया गया है। किरदार लगातार सच छिपाने, हालात संभालने और शक से बचने की कोशिश करते नजर आएंगे। फिल्म में रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म 4 जून को रिलीज होने जा रही है और दर्शकों को एक साथ हंसी, रहस्य और ड्रामा का मिश्रण देने का दावा कर रही है।

50 करोड़ के बंगले में GF संग रहेगा अर्चना पूरन का बेटा, दिखाई लैविश हाउस की Inside झलक

अर्चना पूरन सिंह टीवी टाउन की फेमस एक्ट्रेस हैं. वो अब यूट्यूबर भी बन चुकी हैं. अर्चना अपनी लाइफ से जुड़ी हर छोटी-बड़ी खबर फैंस संग शेयर करती हैं. अर्चना के साथ उनके बड़े बेटे आर्यमन सेठी भी यूट्यूबर पर काफी एक्टिव हैं. अब आर्यमन ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपने नए घर की झलक दिखाई. अर्चना ने कुछ वक्त पहले ही बेटे संग मिलकर नए बंगले खरीदे हैं, जिसकी कीमत 50 करोड़ के आसपास बताई जा रही है. एक्ट्रेस के बेटे आर्यमन ने फैंस को नए घर का टूर कराया, जिसमें अभी कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है. उन्होंने घर के अलग-अलग कोने भी दिखाए और घर को लेकर अपना विजन भी फैंस संग शेयर किया. आर्यमन ने कहा कि वो नया घर कंप्लीट होने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं. उन्होंने ये भी कहा कि अपने सपनों का घर बनाना काफी मुश्किल होता है.

नए घर की कंस्ट्रक्शन के बारे में बात करते हुए आर्यमन ने खुलासा किया कि इस पूरे प्रोसेस में काफी ज्यादा समय लगा है. शुरुआत में उन्हें लगा था कि उनका घर महज दो महीने में बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन जितना सोचा था उससे काफी ज्यादा वक्त लग गया. आर्यमन ने कहा कि ऐसी जगह बनाने के लिए बहुत धैर्य और ध्यान की जरूरत

होती है. उन्हें उम्मीद है कि उनका नया घर जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा.

बता दें कि अर्चना और परमीत ने दो बंगले एक साथ खरीदे हैं. अर्चना के बेटे आर्यमन अपनी मंगेतर योगिता के साथ नए बंगले में रहने वाले हैं.उन्होंने व्लॉग में बताया कि वो अपने माता-पिता के बगल में अपने सपनों का घर पाकर बेहद काफी खुश हैं. अर्चना की बात करें तो वो फिल्मों, टीवी शोज के साथ यूट्यूब से भी तगड़ी कमाई करती हैं. अर्चना और उनका पूरा परिवार लैविश लाइफ जीता है.

मेट्रो बाजार

भारत-ओमान द्विपक्षीय व्यापार समझौता लागू, किसानों समेत छोटे व्यापारियों के लिए बढ़ेंगे मौके: गोयल

नई दिल्ली । भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता या द्विपक्षीय व्यापार समझौता सोमवार को लागू हो गया है। इससे भारत के किसानों समेत छोटे व्यापारियों के लिए मौके बढ़ेंगे। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से दी गई। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस समझौते को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन में एक निर्णायक मील का पत्थर बताया, जिसका उद्देश्य नए बाजार खोलकर, निर्यात को बढ़ावा देकर, निवेश आकर्षित करके और रोजगार सृजन में तेजी लाकर छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए समृद्धि के वैश्विक मार्ग तैयार करना है। सीईपीए के लागू होने से ओमान में भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को कवर करने वाली 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर तुरंत 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्राप्त हो जाती है, जबकि सीईपीए से पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत निर्यात पर शून्य शुल्क पहुंच थी। गोयल ने कहा कि इससे ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क वाले लगभग 3.64 अरब डॉलर के निर्यात वाले सामान अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। इस समझौते के बाद, लौह और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, ऑटो कंपोनेंट्स और औद्योगिक उपकरण जैसे छोटे व्यवसायों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा, ओमान को वस्त्र निर्यात में वृद्धि से तिरुपुर, ानीपत, कोयंबटूर, करूर, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ेगा और रोजगार सृजित होंगे।

मारुति सुजुकी इंडिया ने मई में बनाया नया रिकॉर्ड, 2.43 लाख तक पहुंची वाहनों की ब्रिकी

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को बताया कि उसने मई में 2,42,688 वाहनों के साथ अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री दर्ज की है, जिसने अप्रैल में बनाए अपने पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। मई 2025 में बेची गई 1,80,077 यूनिट्स की तुलना में कंपनी की कुल बिक्री लगभग 34.8 प्रतिशत बढ़ी है। कंपनी ने बताया कि मई में उसकी घरेलू बिक्री 1,93,535 यूनिट्स रही, जो पिछले साल इसी महीने की 1,38,690 यूनिट्स के मुकाबले लगभग 39 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी के अनुसार, मई में निर्यात 41,914 यूनिट्स रहा, जबकि अन्य ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) को 7,239 वाहनों की आपूर्ति की गई। हैचबैक, सेडान, वैन और यूटिलिटी वाहनों वाले पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट ने बिक्री वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान दिया। इस श्रेणी में 1,90,337 वाहन बेचे गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 1,35,962 थी। ब्रेजा, फ्रॉन्क्स, जिम्नी, ग्रैंड विटारा, विक्टोरिस, अर्टिगा, एक्सएल6 और इनविक्टो जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 44.4 प्रतिशत बढ़कर 79,267 यूनिट्स पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 54,899 यूनिट्स थी। वहीं, ऑल्टो और एस-प्रेसो मॉडल की बिक्री दोगुने से अधिक बढ़कर 16,275 यूनिट्स हो गई। मई 2026 में कंपनी का निर्यात बढ़कर 41,914 यूनिट्स हो गया, जबकि मई 2025 में यह 31,219 यूनिट्स था। कंपनी के कमर्शियल वाहन मॉडल की बिक्री भी बढ़कर 3,198 यूनिट्स हो गई, जो पिछले वर्ष 2,728 यूनिट्स थी।

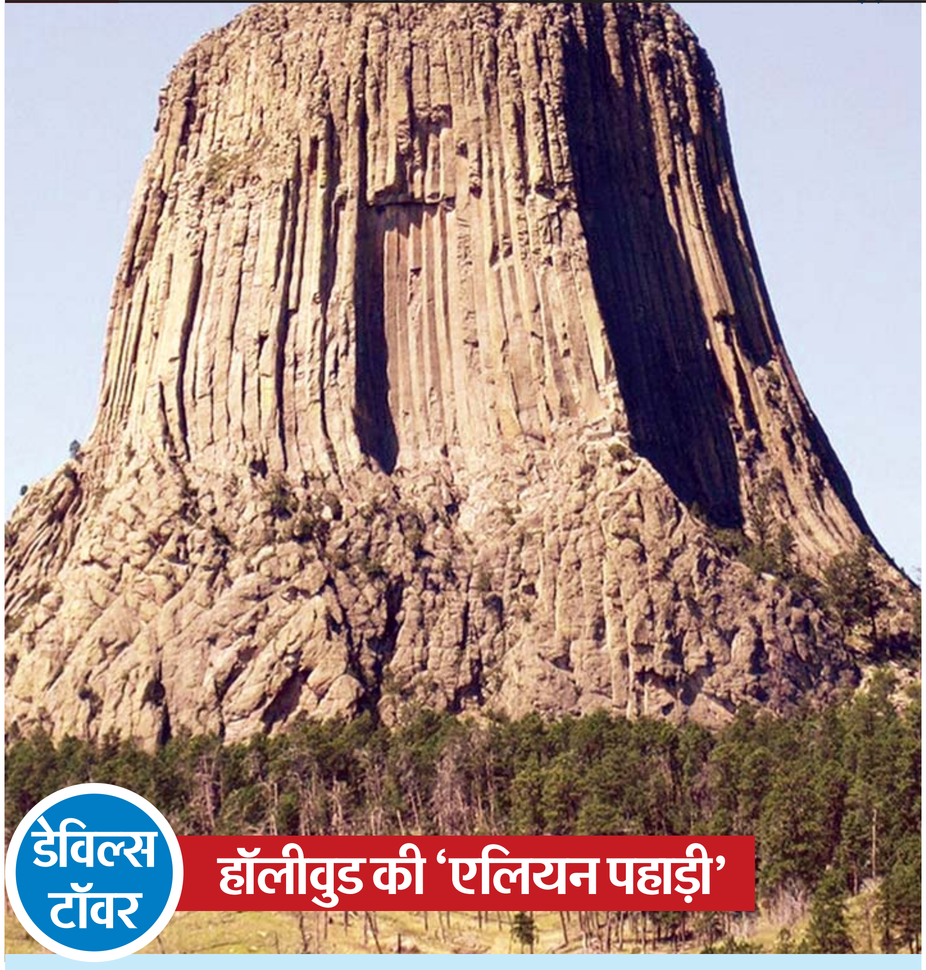

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य वायोमिंग के खुले घास के मैदानों के बीच अचानक आसमान की ओर उठती एक विशाल चट्टान दूर से किसी दूसरी दुनिया की वस्तु जैसी दिखाई देती है। 867 फीट ऊंचा यह डेविल्स टॉवर दशकों से लोगों को आकर्षित करता रहा है, पर 1977 में आई स्टीवन स्पीलबर्ग की मशहूर फिल्म क्लोज एनकाउंटर्स ऑफ द थर्ड काइंड ने इसे दुनियाभर में एलियन पहाड़ी की पहचान दिला दी। आज भी हजारों लोग सिर्फ उस रहस्यमयी एहसास को महसूस करने यहां पहुंचते हैं, जिसे हॉलीवुड ने परदे पर अमर कर दिया था। डेविल्स टॉवर को देखकर यह समझना मुश्किल होता है कि यह प्राकृतिक संरचना है या किसी बड़ी मशीन का हिस्सा। विशाल खंभों जैसी इसकी सतह इसे और भी विचित्र बनाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दुनिया में कॉलमनर जॉइंटिंग का सबसे बड़ा उदाहरण है, यानी चट्टान ठंडी होने के दौरान उसमें बनीं विशाल स्तंभनुमा दरारों का अनोखा स्वरूप। कुछ स्तंभ तो 10 फीट तक चौड़े हैं। इसे 1906 में तत्कालीन राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने अमेरिका का पहला राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया था।

मोदी सरकार के 12 साल, भाजपा ने किया नया प्लान तैयार

सोशल मीडिया पर कम निर्भरता घर-घर जाकर ज्यादा जनसंपर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर बीजेपी ने बड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर दी है। दिल्ली BJP हेडक्वार्टर में सभी राज्य के प्रदेश अध्यक्षों के साथ मीटिंग में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की।

इस दौरान संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा और राज्यों में पार्टी की गतिविधियों पर भी मंथन हुआ। आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर पार्टी ने नई रणनीतियों पर चर्चा की। साथ ही संगठन के विस्तार और बूथ स्तर तक पार्टी को और मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठाने पर जोर दिया गया। सूत्रों के अनुसार बीजेपी की इस बड़ी बैठक में सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने और पार्टी की पारंपरिक ताकत घर-घर संपर्क अभियान को फिर से मजबूती से लागू करने पर जोर दिया गया। मीटिंग में पार्टी ने फैसला लिया कि सभी संपर्क अभियानों में पार्टी, राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के विकास कार्यों को प्रमुखता दी जाए। साथ ही कार्यकर्ताओं से प्राप्त सूचनाओं और फीडबैक पर ही भरोसा रखा जाए।

असमंजस में अन्ना: नबीन से की मुलाकात, अब शाह के संग मीटिंग

तमिलनाडु में भाजपा के पूर्व चीफ अन्नामलाई को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। क्या वह भाजपा से अलग होंगे और अपनी पार्टी बनाएंगे? इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच उन्हें भाजपा में रोकने की कोशिश भी जारी है. पूर्व तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई ने आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच अन्नामलाई आज दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और नेता बीएल संतोष से मिले।

माना जा रहा है कि आज ही दिन में के. अन्नामलाई की गृह मंत्री अमित शाह से भी अहम मुलाकात है। अटकलों के बीच दोनों एक एहम बैठक करेंगे. इस बैठक के बाद तय हो जाएगा कि तमिलनाडु भाजपा के पोस्टर बॉय रहे अन्नामलाई भाजपा से अलग हो रहे हैं या फिर भाजपा में ही पहले की तरह रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, अन्नामलाई भारतीय जनता पार्टी से आपसी सहमति से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं।

न्यूज विंडो

फिल्म काला हिरण को लेकर सलमान ने मेकर्स को भेजा नोटिस

मुंबई, एजेंसी। गत दिन 'काला हिरण' का पोस्टर मेकर्स ने रिलीज किया था, जो सलमान खान के 'ब्लैग बग शिकार' मामले पर आधारित फिल्म बताई जा रही है। मेकर्स ने पोस्टर के साथ-साथ यह घोषणा भी की थी कि इसका टीजर जल्द ही रिलीज होगा।हालांकि, उससे पहले ही 'काला हिरण' फिल्म विवादों में घिर गई है, क्योंकि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की लीगल टीम ने इस केस पर फिल्म बनाने वाले मेकर्स को नोटिस भेज दिया है। 'काला हिरण' मूवी मेकर्स को सलमान खान की लीगल टीम ने यह नोटिस कथित तौर पर सुपरस्टार के नाम, व्यक्तित्व का इस्तेमाल करने के लिए भेजा है। उन्होंने अभी भी कोर्ट में चल रहे इस मामले से जुड़ी घटनाओं के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। इस बात की जानकारी किसी और ने नहीं, बल्कि विवादित फिल्म बनाने वाले निर्माता अमित जानी ने ही शेयर की है।

कटड़ा वंदे भारत सहित कई ट्रेनों का रूट बदला, 6 जून तक पड़ेगा असर

नई दिल्ली। रेल परिचालन को बेहतर करने के लिए रेलवे सिग्नलिंग प्रणाली का उन्नयन कर रहा है। कई स्थानों पर इसे लेकर काम चल रहा है। इसी कड़ी में मोहरी एंड शाहबाद मारकंडा में नॉनइंटरलाकिंग का काम किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह काम नए इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग पैनल लगाने और रेल नेटवर्क को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए किया जाता है। इस काम को पूरा करने के लिए दिल्ली अंबाला रेलखंड पर इस सप्ताह ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ेगा। कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। इनमें दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी सहित अन्य शहरों के लिए चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं।

राजस्थान : कोटा से कानपुर जा रही बस पलटी, 3 की मौत, 12 घायल

जयपुर। राजस्थान के बारां जिले में नेशनल हाईवे-27 पर आज अलसुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कोटा से कानपुर जा रही यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार स्लीपर बस अनियंत्रित होकर फरेदुआ तलहटी गांव के पास हाईवे पर ही पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में एक मासूम बालिका समेत 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा करीब सुबह 4 बजे हुआ, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। फरेदुआ तलहटी गांव के पास मोड़ पर बस चालक संतुलन खो बैठा और बस लहराते हुए हाईवे पर ही पलट गई। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत बस से बाहर निकालकर शाहाबाद राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बारां जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पूरा वंदे मातरम् गाने के फैसले पर थरूर ने उठाए सवाल, कहा-बिना वजह थोपा जा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

वंदे मातरम् के पूरे गाने के फैसले को लेकर चल रही बहस के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को सवाल उठाया कि क्या हर सार्वजनिक कार्यक्रम में इस राष्ट्रगीत को पूरा गाया जाना जरूरी है।

इसे अनावश्यक और बोझिल बताते हुए थरूर ने कहा कि वंदे मातरम् के प्रति सम्मान को हर मौके पर इसे पूरा गाने को अनिवार्य बनाने के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण गाए जाने की मांगों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हालांकि हर कोई वंदे मातरम् का सम्मान करता है, लेकिन हर कार्यक्रम में इसे पूरा गाए जाने की शर्त को सही ठहराना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'वंदे

मातरम् हमारा राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मान में खड़े हो जाते हैं। इसका पहला पद या शुरुआती कुछ पद ज्यादातर लोगों को जुबानी याद होते हैं।'

बिना वजह थोपा गया नियम है

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि लंबे समय से यह परंपरा रही है कि किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार 'वंदे मातरम' गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से। अक्सर कार्यक्रम के अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा, 'अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और फिर आखिर में सभी पांचों छंद गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है।'

मामले पर लेना होगा फैसला

थरूर ने बताया कि जहां एक तरफ केरलम सरकार का कहना है कि पूरा गीत गाना वैकल्पिक है, वहीं दूसरी तरफ गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की राय कुछ अलग ही लगती है। उन्होंने कहा, 'आखिरकार इस मामले पर कोई फैसला लेना पड़ सकता है, क्योंकि संसद द्वारा पारित ऐसा कोई कानून नहीं है जो इसे जरूरी बनाता हो। यह ज्यादातर एक परंपरा का मामला है। थरूर ने कहा, 'हम सभी वंदे मातरम् का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी आपके लिए इसे गा सकता हूं।'

डॉ. नरेंद्र सिंह की फेसबुक वाल से

एक आवारा की पुण्य तिथि!

दो जून हमारे हरदिल अजीज, फ़िल्मी दुनियां के सर्वकालिक महान शो मैन 'श्री श्री 420 राजकपूर जी की पुण्य तिथि होती है!

एक कहावत 2 जून की रोटी के सच्चे प्रतिनिधि,और हर आम व्यक्ति में मौजूद थोड़ी थोड़ी मासूम सी चालाकी जिसे आम भाषा में चार सौ बीसी ही कहते है! राजकपूर ही एकमात्र ऐसे हीरो हुए हैं जो कहते हैं' आवारा हूँ 'वर्ना आज आवारा से आवारा व्यक्ति भी आवारा होने की स्वीकारोक्ति नहीं करता! फिल्म अनाडी के एक गीत ' किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार,किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार, किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार ,जीना इसी का नाम है' '!

ऐसी जीवन के प्रति फिलोसफी किसी भी आर्ट ऑफ़ लिविंग में नहीं मिलेगी! न ही बड़े बड़े दार्शनिकों की किताबों में ! जिन्दगी की इतनी सरल व्याख्या किसी ने भी नहीं की जितनी राजकपूर ने अपनी फिल्मों के फिल्मांकन में की है! अनाड़ी के गीत किसी की मुस्कुराहटों--के फिल्मांकन में इस गीत की शुरुआत ही होती है जब राजकपूर एक कीड़े को अपने पैरों से कुचलने से बचा कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ देते हैं! फिर दूसरी फिलोसफी ,जब राजकपूर ये स्ट्रेंनजा गाते हुए,' माना जेब से फ़कीर हैं फिर भी यारो दिल से हम अमीर हैं' एक फ़कीर से उलटे कुछ दाने ले लेते हैं और उन्हें खाते हुए फिर बचे हुए दाने एक फ़कीर को सौंप देते हैं तो उनका यह कृत्य जीवन के लोभ ,लालच,और मोह को बड़ी ही आसान अभिव्यक्ति से अभिव्यक्त कर देता है!

झूठे दम्भी आदर्शवाद की विवेचना और जीवन की मुलभुत आवश्यकताओं के बीच संघर्ष को जितने भावात्मक ढंग से राजकपूर ने फिल्माया है उसका न कोई तोड़ आज है न आगे होगा!

ग्रेट शो मैन राजकपूर को शत शत नमन!!

सिलिंडर ब्लास्ट के बाद भर-भराकर गिरी इमारत एक व्यक्ति मलबे में दबा; तीन को बचाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के भलस्वा डेरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर इलाके में आज सुबह एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां एक जोरदार धमाके के बाद एक मकान गिर गया। मलबे में कई लोग दब गए। जिनमें से तीन लोगों बाहर निकाल लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सिलिंडर ब्लास्ट के बाद इमारत गिरी है। दमकल विभाग की पांच गाड़ी मौके पर भेजी गई हैं।

दमकल विभाग के मुताबिक, तड़के 9 बजकर 37 मिनट पर एक संदिग्ध विस्फोट और उसके बाद मकान ढहने की सूचना मिली। घटना की गंभीरता को देखते हुए, तुरंत पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। पुलिस के साथ मिलकर रेस्क्यू किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि एक जोरदार आवाज के साथ विस्फोट हुआ, जिसके तत्काल बाद एक बिल्डिंग ढह गई। सिलिंडर ब्लास्ट के बाद बिल्डिंग गिरने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर पहुंचते ही अग्निशमन विभाग की टीमों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया है। आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही हैं और मलबे में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास कर रही हैं। स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल भी सहायता के लिए पहुंच गए हैं।

हादसे में छह लोग घायल हुए

दिल्ली पुलिस द्वारा समाचार एजेंसी एएनआई को दी गई जानकारी के अनुसार, इस घटना में छह लोग घायल हुए हैं। इस समय उनकी मौजूदा हालत के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। डॉक्टरों द्वारा मेडिकल जांच किए जाने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस के मुताबिक, जिस इमारत में यह हादसा हुआ, उसका इस्तेमाल बर्तन चमकाने के काम के लिए किया जाता था।

अमेरिका के आयोवा में अंधाधुंध गोलीबारी सात लोगों की मौत

आयोवा। अमेरिका के आयोवा राज्य के मस्कटाइन में सोमवार को एक घरेलू विवाद के कारण गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस विभाग के अनुसार, बंदूकधारी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बंदूकधारी की पहचान 52 वर्षीय रयान विलिस मैकफार्लैंड के रूप में की है। उसने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह व्यक्तियों की हत्या की। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। मस्कटाइन पुलिस विभाग को दोपहर करीब 12:12 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारी और आपातकालीन चिकित्सा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। एक घर के अंदर दाखिल होने पर, अधिकारियों ने चार लोगों के शव बरामद किए।

मेट्रो एंकर

बड़ा गड़बड़झाला: महाराष्ट्र सरकार ने योजना से 80 लाख लाभार्थियों का नाम काटा

लाड़की बहन योजना: खुद को महिला बता 16 हजार पुरुष ले रहे थे पैसा

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहन योजना' की जांच में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं। दस्तावेजों की जांच और ई-केवाईसी प्रक्रिया के बाद सरकार ने करीब 80 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर कर दिया है. जांच में यह भी खुलासा हुआ कि हजारों पुरुष महिलाओं के नाम पर इस योजना का लाभ उठा रहे थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि योजना शुरू करते समय पात्रता के लिए कुछ शर्तें तय की गई थीं, लेकिन शुरुआती चरण में स्व-प्रमाणन के आधार पर आवेदन स्वीकार किए गए थे। बाद में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने लाभार्थियों के सत्यापन को लेकर सवाल उठाए, जिसके बाद राज्य सरकार ने व्यापक जांच और केवाईसी अभियान शुरू किया।

सरकार की तरफ से कराए गए विभिन्न सरकारी डेटाबेस के मिलान के बाद कई तरह की गड़बड़ियां सामने आईं। जांच में पता चला कि करीब 16 हजार पुरुषों ने खुद को महिला बताकर योजना का लाभ लिया। इसके अलावा लगभग 5 लाख सरकारी कर्मचारी, 10 लाख आयकरदाता और 4 से 5 लाख ऐसे लाभार्थी पाए गए जिनके परिवार के पास चार पहिया वाहन मौजूद है, जबकि योजना के नियमों के तहत वे पात्र नहीं थे।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 74 हजार ऐसी महिलाएं भी पाई गईं, जिनकी उम्र 21 वर्ष से कम थी, जबकि करीब 2 लाख महिलाओं की उम्र 65 वर्ष से अधिक निकली। दोनों ही श्रेणियां योजना की पात्रता शर्तों से बाहर हैं।

ई-केवाईसी नहीं कराने वालों पर भी कार्रवाई: जांच में यह भी सामने आया कि करीब 62 लाख लाभार्थियों ने बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद ई-केवाईसी नहीं कराया। सरकार ने ई-केवाईसी की समय-सीमा तीन बार बढ़ाई थी और करीब पांच महीने तक लोगों को दस्तावेज सत्यापन का अवसर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने प्रक्रिया पूरी नहीं की। सरकार का कहना है कि ई-केवाईसी पहचान सत्यापन की एक अनिवार्य प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य फर्जी खातों, पहचान की चोरी और वित्तीय धोखाधड़ी को रोकना है।

अब भी 1.60 करोड़ महिलाओं को मिल रहा लाभ

उधर मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि अपात्र लाभार्थियों को हटाने के बावजूद योजना का लाभ अभी भी करीब 1.60 करोड़ पात्र महिलाओं को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजना को पारदर्शी बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि सहायता राशि केवल वास्तविक और पात्र महिलाओं तक ही पहुंचे.राज्य सरकार का दावा है कि इस कार्रवाई से योजना में पारदर्शिता बढ़ेगी और सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जा सकेगा. वहीं विपक्ष इस पूरे मामले को लेकर सरकार से जवाब मांग रहा है कि शुरुआती चरण में इतनी बड़ी संख्या में अपात्र लोगों के आवेदन कैसे स्वीकृत हो गए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564